E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 86 | प्रयागराज, मंगलवार 09 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर युद्ध, ईरान ने तेल अवीव पर मिसाइलें दागीं, इजराइल ने तेहरान-तबरीज पर

ईरान से तनाव के बीच नेतन्याहू की सुरक्षा कैबिनेट बैठक

तेहरान। ईरान और इजराइल के अप्रैल में हुए सीजफायर केक 2 महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है। हमलों के बाद इजराइल के कई हिस्सों में सायरन बजे और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। इसके जवाब में कुछ घंटों बाद इजराइल ने ईरान में जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने पश्चिमी और मध्य ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। आईआरजीसी ने दावा किया कि इजराइल ने हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हमलों के बाद ईरान ने राजधानी तेहरान के इमाम खोमैनी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास का एयरस्पेस बंद कर दिया। इराक ने 72 घंटे और सीरिया ने 12 घंटे के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने का फैसला लिया है। ट्रम्प ने संयम बरतने की अपील की-मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से तत्काल बड़े जवाबी हमले से बचने को कहा था। हालांकि इसके बावजूद इजराइल ने ईरान में सैन्य कार्रवाई की। ईरान और इजराइल के बीच यह ताजा टकराव ऐसे समय हुआ है जब दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर पहले से ही तनाव बना हुआ था। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागीं, सीजफायर पर संकटः अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद पहली बार ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमला किया। जवाब में इजराइल ने सोमवार तड़के पश्चिमी और मध्य ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। तेहरान, तबरीज और इस्फहान में धमाकों की खबरें हैं। 2. ईरान, इराक और सीरिया ने एयरस्पेस बंद कियाः तनाव बढ़ने के बाद ईरान ने पश्चिमी हिस्से का एयरस्पेस अगली सूचना तक बंद कर दिया। इराक ने 72 घंटे और सीरिया ने 12 घंटे के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। 3. अमेरिका ने होर्मुज में दो और ईरानी ड्रोन मार गिराएः अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए खतरा बने दो ईरानी ड्रोन को मार गिराया गया। लगातार दूसरे दिन अमेरिका ने ऐसे ड्रोन गिराने का दावा किया है। 4. ईरान बोला- अमेरिका के बदलते रुख से अटकी बातचीतः ईरान ने कहा कि अमेरिका के बार-बार बदलते रुख के कारण वार्ता आगे नहीं बढ़ रही। तेहरान ने एक बार फिर यूरेनियम संवर्धन के अधिकार और विदेशों में फ्रीज अरबों डॉलर की संपत्तियां जारी करने की मांग दोहराई। 5. वर्ल्ड कप में ईरानी टीम को मैच वाले दिन ही अमेरिका छोड़ना होगाःअमेरिकी वीजा प्रतिबंधों के कारण ईरान की फुटबॉल टीम को अमेरिका में सिर्फ मैच खेलने की अनुमति मिलेगी। टीम को मैच के दिन ही अमेरिका छोड़ना होगा, इसलिए उसने अपना ट्रेनिंग बेस एरिजोना की जगह मेक्सिको में बनाया है। ईरान के खुजेस्तान प्रांत के माहशहर शहर में स्थित कारून पेट्रोकेमिकल कंपनी पर कथित इजराइली हमले के बाद पहली वीडियो सामने आया हैं। तस्वीरों में प्लांट परिसर से धुआं उठता और कुछ हिस्सों में नुकसान दिखाई दे रहा है। ईरान से बढ़ते सैन्य तनाव के बीच इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू आज सुरक्षा कैबिनेट की अहम बैठक करेंगे। यह बैठक भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे होगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैठक में केवल चुनिंदा वरिष्ठ मंत्री और सुरक्षा मामलों से जुड़े शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में ईरान के ताजा हमलों, इजराइल की जवाबी कार्रवाई और आगे की सैन्य रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

सीजेपी देशभर में प्रदर्शन करेगी,खुद राज्यों और शहरों में जाऊंगा,13 जून तक शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग-अभिजीत दीपके

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत

दीपके ने देशभर में प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा- अगर 13 जून तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते हैं तो मैं खुद अलग-अलग राज्यों और शहरों में प्रदर्शन के लिए जाऊंगा। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर के छात्र फिर से दिल्ली जाएंगे और शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने 6 जून को जंतर-मंतर पर भी प्रदर्शन किया था और परीक्षाओं में गड़बड़ियों को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी। अभिजीत 6 जून को प्रदर्शन के लिए अमेरिका से भारत आए हैं। वे रविवार सुबह महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित अपने घर पहुंचे। उन्होंने शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- पिछले 10-12 साल में देश की राजनीति हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर केंद्रित रही है। इससे रोजगार नहीं मिलेगा। 24 घंटे में 6 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स बढ़े- कॉकरोच जनता पार्टी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या भी बढ़ गई है। प्रदर्शन से पहले उनके फॉलोअर्स की संख्या 2.21 करोड़ थी। 7 जून को दोपहर 3 बजे तक यह संख्या बढ़कर 2.27 करोड़ हो गई। एक्स पर उनके 2.70 लाख फॉलोअर्स हैं। अभिजीत के सामने 3 बड़ी चुनौतियां-फॉलोअर्स को वोटर्स में बदलनाः सोशल मीडिया पर समर्थन की तुलना में जंतर-मंतर की कम भीड़ ने साबित किया कि पार्टी को जमीनीस्तर पर ब्लॉक और जिला कमेटियां बनानी होंगी। पार्टी के पास पॉलिटिक्स का अनुभव नहीं है। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स की ताकत तो है, लेकिन सवाल है कि अगर वे चुनाव में उतरते हैं तो क्या इसे वोट बैंक में बदल पाएंगे। अन्ना आंदोलन जैसा मददगार कैडर नहींः 2011 के अन्ना आंदोलन की कामयाबी के पीछे अलग-अलग संगठनों का समर्थन था। कॉकरोच जनता पार्टी के पास कैडर नहीं है। उसका पूरा आधार क्लिक एक्टिविज्म पर टिका है। इंस्टाग्राम पर 2.2 करोड़ फॉलोअर्स होना डिजिटल उपलब्धि तो है, लेकिन इस वर्चुअल कैडर के पास न लीडर हैं और न ही बूथ मैनेजमेंट की कोई समझ। सिंगल पॉइंट एजेंडा नहींः कामयाब राजनीतिक या सामाजिक आंदोलन की पहली शर्त सिंगल पॉइंट एजेंडा है। अन्ना आंदोलन का एक साफ मकसद था- लोकपाल बिल। इससे लोग जुड़ गए। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन में आए लोगों में कोई मणिपुर की बात कर रहा था, कोई टैक्स और पानी के संकट की, तो कोई करप्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर की। पार्टी को स्पष्ट राष्ट्रीय नीति और एजेंडा सामने रखना होगा।

दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की बैठक, राहुल, ममता-अखिलेश मौजूद,शरद पवार बोले- एकजुट रहना जरूरी

नयी दिल्ली। दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की 7वीं बैठक जारी है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी इस बैठक में पहुंची हैं। बैठक में जम्मू-कश्मीर सीएम उमर अब्दुल्ला, सांसद अभिषेक बनर्जी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, एनसीपी-एसीपी सांसद सुप्रिया सुले समेत कई भी मौजूद हैं। वहीं, शिवसेना (यूटीबी) चीफ उद्धव ठाकरे ऑनलाइन जुड़े हैं। कांग्रेस ने बैठक में 23 विपक्षी दलों के शामिल होने का दावा किया है। अटकलें थीं कि तमिलनाडु में विजय की सरकार में शामिल होने के बाद टीवीके को बैठक में बुलाया जा सकता है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक उन्हें बैठक का न्योता नहीं दिया गया है।

संसदीय समिति ने एनटीए से पूछा-पेपर लीक की परिभाषा क्या,सीबीएसई से ओएसएम को लेकर सवाल- ठेका देने से पहले कंपनी का बैकग्राउंड जांचा था

नयी दिल्ली। नीट पेपर लीक और सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से जुड़े विवादों की जांच कर रही संसदीय समिति ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और सीबीएसई से कई तीखे सवाल पूछे। साथ ही दोनों संस्थानों को तलब कर लिखित जवाब मांगे हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने एनटीए से पूछा कि उसकी नजर में 'पेपर लीक' की परिभाषा क्या है, जबकि सीबीएसई से पूछा कि क्या ओएसएम का ठेका देने से पहले कोएम्प्ट कंपनी के बैकग्राउंड जांच की थी? समिति ने एनटीए से पूछा, '2018 से अब तक उसके द्वारा आयोजित परीक्षाओं में क्या कभी पेपर लीक हुआ?' हाल ही में एनटीए अधिकारियों ने दावा किया

था कि उनके सिस्टम से कोई पेपर लीक नहीं हुआ, बल्कि केवल एक 'गेस पेपर' प्रसारित हुआ था। समिति ने एनटीए के आंतरिक ढांचे और मैनपावर पर पूरा ब्योरा मांगा है। एजेंसी से पिछले तीन साल के दौरान काम कर रहे कुल कर्मियों की संख्या की डिटेल और 2022 से अब तक विभाग में की गई सभी नई नियुक्तियों की जानकारी देने के लिए कहा गया। कोएम्प्ट डायरेक्टर के ग्लोबरेना कंपनी से कनेक्शन पर सवाल- समिति ने सवाल किया कि क्या बोर्ड को इस बात की जानकारी थी कि कोएम्प्ट कंपनी के डायरेक्टर पहले 'ग्लोबरेना टेक्नोलॉजीज' से जुड़े रहे हैं। दरअसल, 2019 में तेलंगाना 12वीं बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर ग्लोबरेना के सॉफ्टवेयर को दोषी पाया गया था। बाद में कंपनी का नाम बदलकर कोएम्प्ट कर दिया गया। आरोप है कि सीबीएसई ने इस विवादित रिकॉर्ड को नजरअंदाज करते हुए कंपनी को ठेका दिया। समिति ने सवाल किया कि ओएसएम के तीसरे टेंडर में खराब रिकॉर्ड वाली कंपनियों को अयोग्य ठहराने की शर्त क्यों हटाई गई। साथ ही, 12वीं की आंसर शीट की स्कैनिंग में मॉडर्न रोबोटिक स्कैनर की बजाय सामान्य स्कैनर इस्तेमाल करने की इजाजत क्यों दी गई। 27 मईः राहुल ने कोएम्प्ट कंपनी पर सवाल उठाए थे- राहुल गांधी ने 27 मई को दावा किया था कि सीबीएसई ने जिस कोएम्प्ट कंपनी को एग्जाम के डिजिटल इवैल्यूएशन का ठेका दिया है, उसका पहले ग्लोबरेना नाम था। राहुल ने सवाल किया कि कोएम्प्ट को सीबीएसई का ठेका क्यों और किसके कहने पर दिया गया।

मानसून पहुंचा 12 राज्यों में-एमपी/यूपी में बारिश, राजस्थान में ओलावृष्टि

दिल्ली एयरपोर्ट पर तेज आंधी-बारिश से एअर इंडिया के 3 विमान छतिग्रस्त

नयी दिल्ली। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार तक मानसून 12 राज्यों तक पहुंच गया। इसने पूरे केरलम, कर्नाटक, मणिपुर, नगालैंड और मिजोरम को कवर कर लिया है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में प्री-मानसून बारिश हो रही है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में रविवार को बारिश के साथ ओले गिरे। मध्य प्रदेश के इंदौर-खंडवा हाईवे पर आंधी से ऑटो पलट गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर तेज आंधी और बारिश के दौरान ग्राउंड सपोर्ट उपकरणों की टक्कर से एअर इंडिया के तीन नैरो बॉडी विमान क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद तीनों विमानों को ऑपरेशन से बाहर कर दिया गया है। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार से मौसम में बदलाव आया है, यहां दोबारा गर्मी बढ़ेगी। आने वाले दिनों में तापमान 45डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार अगले हफ्ते हीटवेव जैसी परिस्थितियां बन सकती हैं। केरलम में इस बार मानसून तीन दिन की देरी से, 4 जून को पहुंचा था। 4 दिन के अंदर इसने 12 राज्यों को कवर कर लिया। रविवार को मानसून ने पूर्वोतर के त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में एंट्री ले ली है। इससे पहले शनिवार को आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम और मणिपुर में पहुंचा था। आईएमडी के मुताबिक, 7 से 9 जून के बीच केरलम में कई जगह भारी बारिश हो सकती है। लक्षद्वीप में 7 और 8 जून को भारी बारिश हो सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 3-4 दिनों में मॉनसून महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सकता है। दो दिन के मौसम का हालः-9 जूनः केरलम, कर्नाटक, मिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश हो सकती है। ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आंधी-तूफान के साथ बारिश होगी। राजस्थान के पूर्वी हिस्से में 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 10 जूनः- केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में बारिश का अनुमान है। बिहार, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल और अंडमान-निकोबार में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में आंधी-तूफान के साथ 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं, तीन की मौत; 3 मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी

मनीला। फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया।

इसके बाद फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के जनरल सैंटोस शहर से करीब 13 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। फिलीपींस पुलिस के मुताबिक, भूकंप में अब तक कम से कम 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 लोग घायल हैं। अधिकारियों का कहना है कि भूकंप से 37 इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इनमें ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और कारोबारी बिल्डिंग्स हैं। पैसिफिक सुनामी वार्निंग सेंटर ने चेतावनी दी है कि फिलीपींस के कुछ तटीय इलाकों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। वहीं, इंडोनेशिया और मलेशिया के कुछ तटों पर 1 मीटर तक ऊंची लहरों का खतरा है। फिलीपींस के भूकंप संस्थान के अनुसार भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी नीचे गहराई 10 में था, जबकि यूएसजीएस ने 55 किलोमीटर गहराई दर्ज की। जनरल सैंटोस सिटी पुलिस के मास्टर सार्जेंट रॉबर्ट डैगन ने एएफपी को बताया कि कई भवन प्रभावित हुए हैं और राहत-बचाव का काम लगातार जारी है। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली भी चली गई। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

झटपट खबरें

1. इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगीयोनो भारत आएः- 7 जून को इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगीयोनो तीन दिन की यात्रा पर भारत आए हैं। सुगीयोनो और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले दिन नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया जॉइंट कमीशन की 8वीं बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में भारत और इंडोनेशिया के बीच होने वाली को-ओपरेशन स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप पर बात हुई। इस जॉइंट बैठक में डिफेंस, मेरीटाइम सिक्योरिटी, बिजनेस, इंवेस्टमेंट, कनेक्टिविटी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर भी बात हुई। नेपाल प्रेसिडेंट प्रबोवो सुबिआंतो की भारत यात्रा (2025) के दौरान भारत और नेपाल के बीच हुए समझौतों पर भी बात हुई। दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र, समुद्री सहयोग, आतंकवाद-रोधी सहयोग और ASEAN में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। ASEAN 11 देशों का समूह है। इसमें ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और हाल ही में शामिल हुआ पूर्वी तिमोर (तिमोर-लेस्ते) शामिल हैं।

2. ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीताः- 6 जून को भारत के यंग ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीता। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय प्लेयर बन गए हैं। प्रज्ञानानंदा ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर जीत हासिल की है। हालांकि, टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर थे। 2025 में दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट जीता था। कार्लसन अब तक के सबसे ज्यादा 7 बार नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के चैंपियन रह चुके हैं। आर. प्रज्ञानानंदा भारत के सबसे कम उम्र के सफल ग्रैंडमास्टर्स में से एक हैं। उन्होंने 2024 में भी नॉर्वे चेस में जीत दर्ज की थी। प्रज्ञानानंदा ने सबसे पहले 2013 में अंडर-8 में वर्ल्ड यूथ चेस चैम्पियनशिप जीती थी। प्रज्ञानानंदा 2016 में 10 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल मास्टर बने। प्रज्ञानानंदा 2018 में, 12 साल की उम्र में में दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बने। 2019 में प्रज्ञानानंदा ने वर्ल्ड यूथ अंडर-18 चैंपियनशिप जीती। प्रज्ञानानंदा ने 2022 में 44वें चेस ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और कांस्य जीता था। 2022 टूर्नामेंट के दौरान प्रज्ञानानंदा ने रैपिड फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन को भी हराया था। प्रज्ञानानंदा ने FIDE सर्किट 2025 जीता और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालीफाई किया, इस रूट से क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बने। नॉर्वे चेस टूर्नामेंट-हर साल होने वाले दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और रोमांचक चेस टूर्नामेंट्स में से एक है। इस साल ये टूर्नामेंट 25 मई से 5 जून 2026 तक पहली बार नॉर्वे की राजधानी, ओस्लो में आयोजित किया गया था।

3. भारत ने अंडर-18 हॉकी एशिया कप जीताः- 6 जून को भारत ने तीसरी बार अंडर-18 हॉकी एशिया कप जीत लिया है। टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान को फाइनल में 4-1 से हरा दिया। भारत ने अंडर-18 हॉकी एशिया कप में 2001 और 2016 में टाइटल जीता था। हॉकी इंडिया मेंस टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख रुपए मिलेंगे। इसके साथ ही स्पोर्टिंग स्टाफ को 1.5 लाख रुपए दिए जाएंगे। 17 साल के आशीष को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच मिला। वे टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। गोलकीपर आयुष रजक को टूर्नामेंट का बेस्ट गोलकीपर चुना गया। इसके साथ ही भारत की विमेंस टीम ने साउथ कोरिया को 3-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। ब्रॉन्ज जीतने वाली भारतीय महिला टीम के खिलाड़ियों को एक-एक लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 50 हजार रुपए मिलेंगे।

4. टेनिस प्लेयर मीरा एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन जीताः- 6 जून को टेनिस प्लेयर मीरा एंड्रीवा ने पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता। मीरा ने विमेंस सिंगल्स फाइनल में पोलैंड की माया च्वालिंस्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-2 से हराया। 19 वर्षीय एंड्रीवा फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं।एंड्रीवा से 1992 में 18 साल की मोनिका सेलेस ने यह टाइटल अपने नाम किया था। रूस की एंड्रीवा का ये पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस जीत के साथ एंड्रीवा 2020 में इगा स्वियातेक के बाद फ्रेंच ओपन महिला सिंगल्स जीतने वाली टीनएज प्लेयर बनीं। एंड्रीवा 1992 में मोनिका सेलेस के बाद फ्रेंच ओपन में सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन भी हैं। एंड्रीवा, फॉर्मर वर्ल्ड नंबर-1 मारिया शारापोवा के बाद फ्रेंच ओपन जीतने वाली दूसरी रूसी महिला प्लेयर हैं। 16 साल की उम्र में एंड्रीवाने विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में पहुंचकर इंटरनेशनल टेनिस में अपनी पहचान बनाई थी। एंड्रीवा ने ? 2024 पेरिस ओलिंपिक में डायना श्नाइडर के साथ डबल्स में खेलकर सिल्वर मेडल जीता था।

5. मलयाली एक्टर सलीम कुमार का निधनः- 6 जून को मलयाली एक्टर और को राइटर सलीम कुमार का निधन हो गया। वे 57 साल के थे। सलीम एक्टर होने के साथ ही को-डायरेक्टर और मिमिक्री एक्टर भी थे। सलीम ने इष्टमनु नूरू वट्टम से मलयालम फिल्म में डेब्यू किया। 2011 में सलीम को फिल्म आदमिनते मकान अबू में बेस्ट एक्टर एक्टिंग के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड मिला। इसके साथ ही सलीम को केरल राज्य फिल्म अवार्ड भी मिला। 2017 में सलीम को बेस्ट स्टोरी के लिए अवार्ड मिला था। सलीम तीन दशक से अधिक लंबे करियर में 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। सलीम मुख्य रूप से मलयालम फिल्मों में एक्ट किया। साथ ही कुछ तमिल (मरयां) और ओडिया (ऊंगा) फिल्मों में भी नजर आए।

6. मेजर अभिलाषा बराक को यूएन मिलिट्री जेंडर अवार्ड मिलाः- 6 जून को मेजर अभिलाषा बराक को न्यूयॉर्क में यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। मेजर अभिलाषा भारतीय सेना की पहली महिला कॉम्बैट हेलीकॉप्टर पायलट हैं। मेजर अभिलाषा को ये अवार्ड न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एंटोनियों गुटेरस ने दिया है। जून 2025 से मेजर अभिलाषा बराक लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) में भारतीय बटालियन की फीमेल इंगेजमेंट टीम की कमांडर के तौर पर काम कर रही हैं। मेजर अभिलाषा इस अशांत और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में स्थानीय महिलाओं और किशोरियों की मदद करने तथा शांति अभियानों में जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा देने के लिए नियुक्त की गई हैं। मेजर अभिलाषा को ये अवार्ड जेंडर इक्वलिटी, वुमन एम्पावरमेंट और समाज में महिलाओं को स्थापित करने और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए दिया गया है। यूनिफिल का पूरा नाम यूनाइटेड नेशंस इंटरिम फोर्स इन लेबनान है। इसे लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल कहा जाता है। ये संयुक्त राष्ट्र का एक शांतिरक्षा मिशन है, जिसकी स्थापना 1978 में की गई थी। ये लेबनान और इजराइल के बीच शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए काम करती है। भारत संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है और इसके तहत लगभग 600 भारतीय सैनिक 'ब्लू लाइन' (इजराइल-लेबनान सीमा) पर तैनात हैं। मेजर अभिलाषा से पहले मेजर सुमन ग्वानी और मेजर राधिका सेन को ये अवार्ड मिला है।

8 जून का इतिहास

1658 में मुगल शासक औरंगजेब ने आगरा के किले पर कब्जा कर लिया और अपने पिता शाहजहां को उसी किले में नजरबंद कर दिया। 1936 में भारत में सरकारी रेडियो सेवा 'इंडियन स्टेट ब्रॉडकास्टिंग सर्विस' का नाम बदलकर 'ऑल इंडिया रेडियो' किया गया। 1948 में 'एयर इंडिया' की पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान (मालाबार प्रिंसेस) ने बॉम्बे से काहिरा और जिनेवा होते हुए लंदन के लिए उड़ान भरी। 2009 में भारत के प्रसिद्ध नाटककार, निर्देशक और कवि हबीब तनवीर का निधन हो गया।

प्रयागराजः राजर्षि टंडन मुक्त विवि 7 करोड़ का महाघोटाला! सीबीआई को भेजी शिकायत यूपी सरकार तक पहुंची-जांच शुरू

डीएम ने जांच बैठाई

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का एक घोटाला सामने आया है। शिकायत के बाद मामले की

जांच शुरू हो गई है। इससे इविवि से जुड़े संस्थानों में हड़कंप मचा है। हालांकि यह शिकायत सीबीआई तक पहुंचाई गई लेकिन सीबीआई ने राज्य सरकार को पूरा मामला ट्रांसफर कर दिया। अब यूपी सरकार के निर्देश पर जांच शुरू हुई है। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2015-16 से 2019-20 के दौरान प्रवेश प्रक्रिया एवं परीक्षा संचालन के नाम पर सात करोड़ रुपये से अधिक की घपलेबाजी के आरोप लगे हैं। मामले की शिकायत सभी एजेंसियों तक की गई तो खलबली मच गई। शिकायतकर्ता की ओर से उपलब्ध कराए गए अभिलेखों के आधार पर जिला प्रशासन ने जांच शुरू की है। मामले की शिकायत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) नई दिल्ली को भेजी गई। जहां से शिकायती पत्र को उत्तर प्रदेश शासन को भेज दिया गया। इसके बाद उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने भी विश्वविद्यालय में लगाए गए आरोपों की जांच कराने के निर्देश जारी किए। शासन स्तर से विश्वविद्यालय प्रशासन से विस्तृत आख्या मांगी गई है। क्या है मामला जानिये-कौशाम्बी जनपद के कड़ा अलीपुरजीता निवासी शिकायतकर्ता आनंद कुमार की ओर से सीबीआई को भेजे गए शिकायत पत्र 8 अक्तूबर 2025 में आरोप लगाया है कि वर्ष 2015 से 2019 के बीच ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों से प्रवेश शुल्क प्राप्त किए जाने के बावजूद कुछ धनराशि विश्वविद्यालय के खातों में जमा नहीं हुई। शिकायतकर्ता के अनुसार इस कारण विश्वविद्यालय को करोड़ों रुपये की आर्थिक क्षति हुई। आरोपों में तत्कालीन प्रवेश प्रभारी एवं वर्तमान परीक्षा नियंत्रक डॉ. जीके द्विवेदी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों का नाम भी शामिल किया गया है। शिकायतकर्ता का दावा है कि विश्वविद्यालय में बैंकों के माध्यम से प्राप्त प्रवेश शुल्क की राशि और वास्तविक प्रवेश संख्या के आधार पर प्राप्त होने वाली राशि के बीच उल्लेखनीय अंतर पाया गया है। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार यह अंतर रु7,37,30,757 (सात करोड़ सैंतीस लाख तीस हजार सात सौ सत्तावन रुपये) बताया गया है। शिकायत पत्र में यह भी कहा गया है कि ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लागू व्यवस्था का कथित रूप से दुरुपयोग किया गया। शिकायतकर्ता ने सीबीआई को भेजा-शिकायतकर्ता ने मामले की जांच सीबीआई अथवा आर्थिक अपराध शाखा से कराने तथा कथित रूप से अर्जित संपत्तियों की भी जांच कराने की मांग की है। सीबीआई ने मामले की जांच के लिए मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को 31 अक्तूबर 2025 को लिखा था। इसके चलते संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश शासन शकील अहमद सिद्दीकी ने 27 अप्रैल 2026 को जिलाधिकारी प्रयागराज को पत्र लिखकर जांच का आदेश दिया। जिस पर जिलाधिकारी ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच शुरू कर दिया है। इस प्रकारण पर डॉ. जीके द्विवेदी ने कहा कि उन्हें इस जांच की अब तक कोई जानकारी नहीं है।

अम्बेडकर कल्याण समिति की इकाई का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। अम्बेडकर करते हुए जिला संगठन मंत्री हरिनाथ ने कहा समिति जनपद कार्यक्रम का संचालन ब्लाक अध्यक्ष राम प्रसाद एवं अध्यक्षता

कल्याण समिति की धरईमाफी शाखा का गठन किया गया। इसमें रविवार को सर्वसम्मति से राम सुन्दर धरईमाफी ग्राम समिति के अध्यक्ष बने।भेंटुआ -अम्बेडकर कल्याण समिति सुरेन्द्र अम्बेडकर जिला मीडिया प्रभारी, राम प्रसाद ब्लाक अध्यक्ष के पर्यवेक्षण किया जिसमें हृदय राम उपाध्यक्ष , राम सजीवन सचिव, राजेश कोषाध्यक्ष, प्रचार मंत्री क्रमशः श्रीपाल,केशवराम, शकुन्तला, रामावती व नीलम मनोनीत हुई। मनोनीत पदाधिकारियों एवं उपस्थित सामाजिक लोगों को सम्बोधित में परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के मिशन मूवमेंट कारवां को जन -जन एवं घर -घर में पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार बौद्ध ने उपस्थित संघ को सम्बोधित करते हुए कहा, नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई आप सब भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के बताए मार्ग पर चलकर अपना एवं समाज के कल्याणार्थ निष्ठापूर्वक कार्य करें,। समाज बुद्ध,धम्म,संघ के मार्ग पर चलकर सुशिक्षित होकर,फले -फूले आगे बढ़े। केशवराम ने किया।कार्यक्रम में आर एस चक्रवर्ती (शिक्षक) धर्मेंद्र कुमार (शिक्षक), रामपाल ,अनिल कुमार रामचन्द्र कश्यप (प्रधान),सोनू यादव ,विजय कुमार, विनोद कुमार,अजय बौद्ध,बनवारी लाल, हरीराम, रमेश कुमार बौद्ध, कविता बौद्ध,अन्जू बौद्ध,शिवानी बौद्ध, चांदनी बौद्ध,नन्दिनी बौद्ध,पूजा बौद्ध, अर्चना बौद्ध ऊषा बौद्ध, गुड़िया बौद्ध ,राम अचल, सुभाष, रामदेव, वंशराज, प्रदीप,राज, विवेक, आकाश, स्वामीनाथ सहित बड़ी संख्या में धम्म अनुयाई मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 54वां जन्मोत्सव श्रद्धा,भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया

दीप प्रज्ज्वलन एवं हवन-पूजन के साथ हुआ भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। साहूपुरी स्थित व्यास नगर स्टेशन के समीप रविवार को करवत क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने कहा कि संगठन केवल व्यक्तियों का समूह नहीं,बल्कि विचार,अनुशासन और सामूहिक संकल्प की शक्ति है। उन्होंने

आदित्यनाथ के 54वें जन्मोत्सव के अवसर पर श्रद्धा,भक्ति एवं उत्साह से परिपूर्ण भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का युवाओं एवं कार्यकर्ताओं से समाज सेवा,राष्ट्रहित तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु एकजुट होकर कार्य करने का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मातृशक्ति जिला अध्यक्ष रिंकी श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों,सामाजिक कार्यकर्ताओं,धर्माचार्यों एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य,दीर्घायु एवं यशस्वी नेतृत्व की कामना की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मारकंडेय महादेव मंदिर के अध्यक्ष बजरंग गिरी रहे।समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 54 दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन संपन्न हुआ तथा श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रदेश की सुख-समृद्धि,शांति एवं मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि बजरंग गिरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व,जनसेवा एवं राष्ट्रहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास,सुरक्षा एवं सांस्कृतिक उत्थान के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को राष्ट्रवादी चिंतन एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का सशक्त प्रतीक बताया। बजरंगीगिरी ने संगठन की शक्ति पर विशेष बल देते हुए कहा कि आह्वान किया। कार्यक्रम में रिंकी श्रीवास्तव (मातृशक्ति जिला अध्यक्ष),राकेश श्रीवास्तव (क्षेत्रीय महामंत्री),हरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव (क्षेत्रीय मंत्री),धनंजय सिंह (जिला अध्यक्ष),संतोष सेठ (मंडल प्रभारी),अभिषेक केसरी (जिला अध्यक्ष),चारुशीला (नगर अध्यक्ष,मातृशक्ति वाराणसी),रेनू सिंह (नगर अध्यक्ष,भाजपा),वंदना कुमारी (जिला संयोजक),लक्ष्मी श्रीवास्तव (जिला उपाध्यक्ष),विजय राज (सांस्कृतिक जिला अध्यक्ष),सूर्यमणि देवी (जिला मंत्री),मनीषा वर्मा (सांस्कृतिकअध्यक्ष),संजय श्रीवास्तव (जिला उपाध्यक्ष,भाजपा वाराणसी),प्रीति खरवार,रंजन श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम का सफल संचालन संदीप तिवारी,धर्माचार्य जिला अध्यक्ष द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में एकता,समरसता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।धार्मिक,सामाजिक एवं राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस आयोजन ने क्षेत्र में सकारात्मक संदेश का संचार किया तथा उपस्थित लोगों में विशेष उत्साह एवं ऊर्जा का संचार किया।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब कौशांबी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न,नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ,पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं... जिला सूचना अधिकारी

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब कौशांबी जिले के पत्रकारों को एक मंच प्रदान करने का कार्य कर रहा है- प्रसिद्ध मिश्रा,पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व है-बृजेश गौतम,संस्थापक डीएस यादव ने संगठन की प्रगति और पत्रकार हित में निरंतर कार्य करने का किया आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कौशांबी। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब कौशांबी के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह विकास भवन स्थित सरस हाल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी, विशिष्ट अतिथि प्रेस क्लब कौशांबी के अध्यक्ष बृजेश गौतम तथा क्लब के संरक्षक प्रसिद्ध मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के बुके भेंट कर स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके उपरांत निर्वाचन प्रक्रिया में विजयी हुए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। शपथ लेने वालों में अध्यक्ष अली मुक्तेदा, उपाध्यक्ष अमरनाथ झा, महामंत्री इंतेजार रिजवी, कोषाध्यक्ष राम किशन पटेल, संगठन मंत्री शानिराज वर्मा, सचिव सुनील साहू, खादिम रिजवी, मेराज अहमद तथा आय-व्यय निरीक्षक नवनीत कुमार शामिल रहे। सभी पदाधिकारियों ने पत्रकारिता के मूल्यों, निष्पक्षता और संगठन के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।मुख्य अतिथि जिला सूचना अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया आज सूचना प्रसारण का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे समाज और शासन के बीच सेतु की भूमिका निभाते हुए सत्य एवं तथ्यपरक खबरों को प्राथमिकता दें। उन्होंने क्लब के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। क्लब के संरक्षक प्रसिद्ध मिश्रा ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब कौशांबी जिले के पत्रकारों को एक मंच प्रदान करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती आपसी सहयोग, एकता और पत्रकार हितों की रक्षा से ही संभव है। उन्होंने नव निर्वाचित टीम से पत्रकारों के सम्मान और अधिकारों के लिए निरंतर कार्य करने की अपेक्षा जताई। प्रेस क्लब कौशांबी के अध्यक्ष बृजेश गौतम ने कहा कि पत्रकारिता केवल एक पेशा नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्षता, विश्वसनीयता और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के गठन और उसके लोकतांत्रिक चुनाव की सराहना की। कार्यक्रम में अस्वस्थता के कारण क्लब के संस्थापक धारा सिंह उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने संदेश के माध्यम से सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की प्रगति और पत्रकार हित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों, पत्रकारों और पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

सलारपुर में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण, डबल इंजन सरकार ने बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्राम सलारपुर में आज करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं कार्यों के अलावा इस क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य चल रहा है। जिसमें रु4 करोड़ 2 लाख की लागत से जीवन स्तर में व्यापक सुधार आया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप उत्तर

लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं गौतमबुद्ध नगर के लोकप्रिय सांसद डॉ. महेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नोएडा विधायक एवं भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान ग्राम सलारपुर के समग्र विकास को गति देने वाली अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया गया। विधायक पंकज सिंह ने रु3 करोड़ 77 लाख की लागत से बनने वाली 20 से अधिक आंतरिक सड़कों, जलनिकासी नालियों, जाल एवं कलवर्ट निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त रु3 करोड़ 7 लाख की लागत से बनने वाले आधुनिक डबल स्टोरी सामुदायिक केंद्र का भी शिलान्यास किया गया। गांव के पीछे स्थित बड़े नाले पर सुरक्षा एवं सुचारू जलनिकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रु2 करोड़ 14 लाख की लागत से निर्मित होने वाली आरसीसी सुरक्षा दीवार का भी शिलान्यास किया गया। इसके साथ ही सलारपुर कॉलोनी में विधायक निधि से रु81 लाख की लागत से तीन नई सड़कों एवं नालियों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास तथा तीन पूर्ण हो चुके सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने इन विकास कार्यों का स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। विधायक पंकज सिंह ने कहा कि आज के शिलान्यास होने वाले विकास सीवर एवं जलापूर्ति की मुख्य लाइनों को बड़ा करने का कार्य प्रगति पर है, जिसका लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अतिरिक्त सलारपुर बड़े नाले पर रु9 करोड़ 92 लाख की लागत से जर्जर पुल के स्थान पर दो नए बड़े पुलों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे प्रतिदिन आवागमन करने वाले लाखों औद्योगिक श्रमिकों एवं स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। जबकि भट्टा कॉलोनी में रु1 करोड़ 64 लाख की लागत से छोटी एवं क्षतिग्रस्त सीवर लाइनों को बदलने का कार्य भी प्रारंभ किया जाएगा। साथ ही स्ट्रीट लाइट एवं हॉर्टिकल्चर से संबंधित सौंदर्यीकरण कार्यों के माध्यम से पूरे क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भंगेल-सलारपुर एलीवेटेड रोड के निर्माण के साथ-साथ इन विकास परियोजनाओं के पूर्ण होने पर सलारपुर क्षेत्र की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। अपने संबोधन में विधायक पंकज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन सरकार की योजनाओं के सकारात्मक परिणाम आज पूरे उत्तर प्रदेश में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि कभी माफिया राज और अपराध के लिए पहचाने जाने वाला उत्तर प्रदेश आज विकास, एक्सप्रेसवे, विदेशी निवेश और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए देशभर में नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, निःशुल्क राशन वितरण तथा रोजगारोन्मुखी नीतियों के माध्यम से प्रदेश की जनता के प्रदेश एक समृद्ध और आत्मनिर्भर प्रदेश बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पंकज सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है तथा इसी भावना के साथ निरंतर विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और विरासत को साथ लेकर चलने वाली भाजपा सरकारों को जनता का असीम स्नेह, विश्वास और समर्थन प्राप्त हुआ है। यही कारण है कि आज देश के 22 राज्यों में भाजपा एवं भाजपा गठबंधन की सरकारें जनसेवा का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं, जो पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करते हैं। इस अवसर पर सुखबीर प्रधान, चरण सिंह भाटी ,जयचंद शर्मा ,अशोक भाटी, रिकी भाटी, इंद्रपाल सेंगर, किरणपाल भाटी, एच.के.एल.भगत, सुरेंद्र गौतम, अमित त्यागी, संजय बाली, महेश अवाना,करतार चौहान,पंकज झां, बबलू यादव, नीरज चौधरी, देवेंद्र भाटी, हेमराज गौतम, गजराज भाटी, जयराज भाटी, राकेश भाटी, सुंदर सिंह, अरविंद शर्मा, रोहित खटाना, राहुल शर्मा विपुल शर्मा मुक्तानंद प्रधान, इंद्राज खटाना, नोएडा प्राधिकरण से ए.सी.ई.ओ सतीश पाल, ए के अरोड़ा, अंकित सेंगर, रोहित कुमार, शिवम, सुशील अवाना, भगत भाटी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

वर्ल्ड एनवायरनमेंट कॉन्फ्रेंस 2026

बायोफ्यूल कॉन्फ्रेंस 2026 और ऑल इंडिया मेयर्स एंड आर डब्ल्यू ए समिट 2026 ने सस्टेनेबिलिटी

क्लीन एनर्जी और वेस्ट मैनेजमेंट पर बातचीत को आगे बढ़ाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा तीनों बड़े इवेंट्स - वर्ल्ड एनवायरनमेंट

कॉन्फ्रेंस 2026, बायोफ्यूल कॉन्फ्रेंस 2026, और ऑल इंडिया मेयर्स एंड RWAs समिट 2026, जो 7वें वर्ल्ड एनवायरनमेंट एक्सपो 2026 के हिस्से के तौर पर हुए, ने पॉलिसीमेकर्स, इंडस्ट्री लीडर्स, रिसर्चर्स, सस्टेनेबिलिटी एक्सपर्ट्स, म्युनिसिपल रिप्रेजेंटेटिव्स और इनोवेटर्स को क्लाइमेट एक्शन, रिन्यूएबल एनर्जी, सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर, वेस्ट मैनेजमेंट और एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन पर चर्चा करने के लिए सफलतापूर्वक एक साथ लाया। इंडियन एग्जीबिशन सर्विसेज़ (आईईएस) द्वारा इंटरनेशनल कन्फेडरेशन ऑफ़ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (आईसीटीआई) के साथ मिलकर आयोजित, ये कॉन्फ्रेंस और समिट भारत के सस्टेनेबिलिटी और एनर्जी ट्रांज़िशन लक्ष्यों को सपोर्ट करने वाले नॉलेज एक्सचेंज, पॉलिसी डिस्कशन और कोलेबोरेटिव इनिशिएटिव के लिए महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म के रूप में काम आए। इंडियन एग्ज़िबिशन सर्विसेज़ के फाउंडर और सीईओ और वर्ल्ड एनवायरनमेंट एक्सपो के ऑर्गनाइज़र, स्वदेश कुमार ने कहा, 'वर्ल्ड एनवायरनमेंट कॉन्फ्रेंस, बायोफ्यूल कॉन्फ्रेंस स्टेकहोल्डर्स को आइडिया शेयर करने, बेस्ट प्रैक्टिस शेयर करने और एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, क्लीन एनर्जी अपनाने और असरदार वेस्ट मैनेजमेंट में मदद करने वाले नए सॉल्यूशन खोजने के लिए एक कॉमन प्लेटफॉर्म देते हैं। इस तरह की बातचीत एक ग्रीन और ज़्यादा मज़बूत भविष्य बनाने के लिए ज़रूरी हैं। साथ ही, ऑल इंडिया मेयर्स और RWA समिट 2026 सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट के लिए समाज, नागरिकों, लोकल बॉडीज़ की भूमिका पर ज़ोर देता है। साफ़ शहर और कस्बे ही साफ़ देश बना सकते हैं।' कॉन्फ्रेंस में उत्तर प्रदेश लेजिस्लेटिव असेंबली के मेंबर श्री नंद किशोर गुर्जर चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इकट्ठा हुए लोगों को एड्रेस करते हुए, आईसीटीआई के सेक्रेटरी जनरल श्री नीरज अरोड़ा ने एनवायरनमेंटल चुनौतियों से निपटने और एक सस्टेनेबल भविष्य की ओर भारत के बदलाव को तेज़ करने के लिए कलेक्टिव एक्शन, सस्टेनेबल डेवलपमेंट और पब्लिक-प्राइवेट कोलेबोरेशन के महत्व पर ज़ोर दिया। 'नेचर से प्रेरित: क्लाइमेट एक्शन और नेट-ज़ीरो 2070 के लिए स्ट्रेटेजिक विज़न' टाइटल वाले एक खास सेशन में क्लाइमेट रेज़िलिएंस, एनर्जी एफिशिएंसी, रिसोर्स कंज़र्वेशन, सर्कुलर इकॉनमी प्रैक्टिस और भारत के लंबे समय के एनवायरनमेंटल और सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों को पाने के लिए ज़रूरी पॉलिसी फ्रेमवर्क पर फोकस किया गया। आखिरी दिन का एक बड़ा हाईलाइट ऑल इंडिया मेयर्स एंड RWAs समिट 2026 था, जो रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWAs) और मेयर्स का एक नेशनल लेवल का समिट था, जो वेस्ट मैनेजमेंट और स्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट में कम्युनिटी और लोकल गवर्नेंस की ज़रूरी भूमिका पर चर्चा करने के लिए डेडिकेटेड था। समिट में इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, डिसीजन-मेकर्स, डेलीगेट्स, म्युनिसिपल बॉडीज़, डेवलपमेंट अथॉरिटीज़, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स, प्राइवेट सेक्टर ऑर्गनाइज़ेशन्स और सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट डिपार्टमेंट्स के रिप्रेजेंटेटिव्स ने हिस्सा लिया। बातचीत इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट प्रैक्टिस, सिटिज़न पार्टिसिपेशन, अर्बन क्लीनिंग, रीसाइक्लिंग और सस्टेनेबल सिटी प्लानिंग पर फोकस थी। एक्सपो के आखिरी दिन, उत्तर प्रदेश लेजिस्लेटिव असेंबली के मेंबर श्री सोमेंद्र तोमर ने एग्ज़िबिशन देखी और एग्ज़िबिटर्स, इंडस्ट्री रिप्रेजेंटेटिव्स और स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की। उन्होंने ऑर्गनाइज़र की कोशिशों की तारीफ़ की, जिन्होंने एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, क्लीन टेक्नोलॉजी, रिन्यूएबल एनर्जी, रीसाइक्लिंग सॉल्यूशन और क्लाइमेट-कॉन्शियस डेवलपमेंट को बढ़ावा देने वाला एक बड़ा प्लेटफ़ॉर्म बनाया। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 04-06 जून 2026 तक हुआ तीन दिन का वर्ल्ड एनवायरनमेंट एक्सपो 2026 कामयाबी से खत्म हुआ, जिससे इनोवेशन, इंडस्ट्री में सहयोग, नॉलेज शेयरिंग और सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने का अपना कमिटमेंट फिर से पक्का हुआ। इस इवेंट ने एक बार फिर एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन, क्लीन एनर्जी, सर्कुलर इकॉनमी इनिशिएटिव और सस्टेनेबल ग्रोथ को आगे बढ़ाने के लिए डेडिकेटेड भारत के लीडिंग प्लेटफ़ॉर्म में से एक के तौर पर अपनी भूमिका दिखाई।

फोनरवा द्वारा आयोजित बैठक में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं जनसहभागिता को लेकर दिए महत्वपूर्ण निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। फोनरवा कार्यालय, सेक्टर-52 में आज नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह जी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं नागरिक सुरक्षा से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोएडा की सभी आरडब्ल्यूए (RWA'S) के पदाधिकारियों ने भाग लिया तथा अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं एवं सुझावों को पुलिस प्रशासन के समक्ष रखा। बैठक के दौरान विभिन्न सेक्टरों के प्रतिनिधियों ने नियमित पुलिस गश्त, यातायात व्यवस्था, पार्कों में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों, सुरक्षा एजेंसियों के सत्यापन,किरायेदारों के सत्यापन तथा साप्ताहिक बाजारों के कारण लगने वाले जाम जैसी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया-फोनरवा अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा जी ने पुलिस कमिश्नर के नेतृत्व में बेहतर पुलिस व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं आरडब्ल्यूए के बीच निरंतर संवाद से शहर में सुरक्षा का वातावरण और मजबूत हुआ है।योगेन्द्र शर्मा ने यह भी अवगत कराया कि बहुत सारे सेक्टरों अवैध गेस्ट हाउस संचालित हो रहे है,जिनमें कि आपात स्तिथि से निपटने के लिए सुरक्षा से संबंधित कोई भी संसाधन नही है,इस प्रकार के अवैध गेस्ट हाउस की जांच कर कार्रवाही की जाऐ। बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) राजीव नारायण मिश्र, पुलिस उपायुक्त नोएडा सांद मिंया खान,उपायुक्त ट्रेफिक अभय सिंह जी,उपरोक्त क्राइम साव्या गोयल जी,एडीसीपी मनीषा सिंह जी, एसीपी प्रवीन रंजन सिंह,राकेश प्रताप सिंह व सभी थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सेक्टर-63 थाना क्षेत्र से संबंधित आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों द्वारा क्षेत्र में लगातार लगने वाले जाम एवं नियमित पुलिस गश्त नहीं होने की शिकायत उठाई गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने तत्काल संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित थानाध्यक्ष व चौकी इनचार्ज को सस्पेंड करने हेतु आदेशित किया व क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं पुलिसिंग को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नोएडा के सभी क्षेत्रों में नियमित एवं प्रभावी पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण मिल सके। उन्होंने सभी डीसीपी, एडीसीपी एवं एसीपी अधिकारियों को प्रत्येक माह कम से कम एक बार अपने-अपने क्षेत्रों की आरडब्ल्यूए के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे स्थानीय समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके तथा पुलिस-जन संवाद और मजबूत हो। पार्कों में असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को लेकर प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर ने एक अभिनव पहल की घोषणा की। उन्होंने सभी डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में तीन माह की अवधि के लिए एक-एक पार्क की जिम्मेदारी लेने के निर्देश दिए। इस व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारी उस पार्क में नियमित निगरानी, गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे, जिससे पार्कों में आने वाले नागरिकों, महिलाओं एवं बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पुलिस कमिश्नर ने आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों में कार्यरत निजी सुरक्षा एजेंसियों का पूर्ण सत्यापन कराने के बाद ही उनकी सेवाएं लें। साथ ही पुलिस विभाग भी समय-समय पर विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों एवं उनके सुरक्षा कर्मियों की कार्यप्रणाली एवं सत्यापन की जांच करेगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न रहे। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात समस्याओं और जाम के मुद्दे पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस पर पुलिस कमिश्नर ने आश्वासन दिया कि नोएडा पुलिस शीघ्र ही नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक कर इस समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करेगी, ताकि नागरिकों को अनावश्यक जाम एवं असुविधा का सामना न करना पड़े। अपने संबोधन में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि नोएडा पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि पुलिस और नागरिकों के बीच सहयोग एवं संवाद जितना मजबूत होगा, शहर उतना ही सुरक्षित और व्यवस्थित बनेगा। उन्होंने सभी आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों से पुलिस के साथ सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक का समापन शहर को सुरक्षित, स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं भयमुक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर द्वारा दिए गए निर्देशों एवं जनहित में घोषित पहलों का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सेवा समर्पण के रुप में मनाया गया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा! विश्व हिन्दू महासंघ द्वारा गोरक्ष पीठाधीश्वर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्म दिवस सेवा और समर्पण के रूप में मून

क्लाउड बैंक्विट हॉल सेक्टर 75 मे रविवार को मनाया गया। जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में सांसद डॉ महेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ विश्व हिंदू महासंघ रुद्र कुमार पाठक रहे। वही विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महिला आयोग बबीता चौहान, पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग विमला बाथम, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, जिला अध्यक्ष एडवोकेट अभिषेक शर्मा, महामंडलेश्वर रेखानंद गिरी, विश्व हिंदू महासंघ से मुख्य वक्ता जयराम भारती, संयोजक प्रकोष्ठ मनोज प्रजापति आदि उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी नें बताया कि तीन दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम मे 5 जून को 2100 वृक्षारोपण, 6 जून को रुद्राभिषेक और 7 जून को विशाल हिन्दू सम्मेलन एवं हिंदू रत्न सम्मान आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी, प्रभारी चौधरी तेज सिंह, संयोजक देवेंद्र शर्मा, संरक्षक जेपी शर्मा, जिला अध्यक्ष मातृशक्ति नीलम राणा, महानगर अध्यक्ष किरन त्यागी, महासचिव रविंद्र कसाना, महासचिव अमित पोरवाल, उपाध्यक्ष अशोक राय, आनंद सिंह रावत, अनिल शर्मा, केसु राम चौहान, संगठन मंत्री प्रमोद शर्मा, अंकुर शर्मा, कार्यालय प्रभारी अजीत मास्टर, कोषाध्यक्ष कल्याण सिंह, मंत्री बलवंत, सुधांशु तिवारी, प्रदीप सिंह, राहुल शर्मा, नितिन गौड़, राजीव रंजन द्विवेदी, अंकुर शर्मा, धनंजय सिंह, विकास सक्सेना, निहारिका बंसल, साधना शर्मा, नीलम कुशवाहा, नविन पोरवाल, सुधीर पोरवाल, शैलेंद्र पोरवाल, निरंजन गुप्ता, गणेश जाटव, संजय वाली, उमेश त्यागी, प्रज्ञा पाठक, वासुदेव चौधरी, अतर सिंह डागर, सुशील कसाना, सतपाल कसाना, जसपाल कसाना, बाबूराम, भूपेंद्र कसाना, मनोज नेहरा, सतपाल यादव, प्रवीण बंसल, आदेश त्यागी, रेनुवाला शर्मा, राजीव चौहान आदि सम्मानित अतिथि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अरावली बी-1 में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-34 स्थित अरावली बी-1 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रविवार को निवासियों एवं बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक अग्नि

सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा के महत्व, आग लगने की स्थिति में बचाव के उपाय तथा फायर सेफ्टी उपकरणों के सही उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। महासचिव जगदीश जोशी बताया- कार्यक्रम का संचालन रि. डिप्टी फायर ऑफिसर एवं वर्षा फायर सेफ्टी कंपनी के आर के नायर द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित निवासियों को फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाई जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि सुरक्षा जागरूकता ही किसी भी आवासीय परिसर की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस मौके पर अध्यक्ष सुधीर सिंह, यस यस पिल्लई, रामाकृष्णन, वी सी जैसवाल, जैसन, विनय सिंह, दीपक पंत, डी पी चमोली, रितेश, भूपेंद्र, आदि बड़ी संख्या में निवासियों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अधिवक्ता जागृति शुक्ला के निधन के बाद वकीलों में आक्रोश

इलाहाबाद हाईकोर्ट की अधिवक्ता जागृति शुक्ला का सोमवार सुबह लखनऊ स्थित पीजीआई में निधन हो गया। पुलिस के मुताबिक, 20 मई की सुबह जागृति शुक्ला स्कूटी से क्रिकेट प्रैक्टिस के लिए जा रही थीं। इसी दौरान इंदिरा मूर्ति चौराहे के पास सड़क हादसा हो गया, जिसमें उनके दोनों पैरों और सिर में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे के बाद उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान डॉक्टरों और वकीलों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की और मारपीट में बदल गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। महिला अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया था कि अस्पताल परिसर में उनके साथ अभद्रता की गई। उनका कहना था कि उनके बाल पकड़कर घसीटा गया और मारपीट की गई। फिर शाम होते होते सोमवार को वकीलों ने चक्का जाम लगाया।

ब्यौहारी में विश्व साइकिल दिवस पर उमड़ा उत्साह, 'संडे ऑन साइकिल' रैली में दौड़ा फिटनेस का पहिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। फिट इंडिया' के संकल्प

के साथ ब्यौहारी में गूंजा नारा– 'सेहत और पर्यावरण बचाएं, रोज साइकिल चलाएं' अपर संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशों के परिपालन में रविवार को ब्यौहारी विकासखंड में एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री केदार सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री शिवम प्रजापति, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक शहडोल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दैनिक जीवन में साइकिल के उपयोग और उससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था।अधिकारी द्वय ने दिखाई हरी झंडी, उत्साह से भरे दिखे नौनिहाल यह गरिमामयी आयोजन ब्यौहारी विकासखंड अधिकारी श्री ब्रम्हानंद श्रीवास्तव एवं बी.आर.सी.सी. श्री मनोज केशरवानी के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुआ। सुबह ठीक 7:00 बजे केशरवानी विद्यालय से साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई बनसुकली चौराहा पहुंची,

जहां इसका समापन हुआ।जागरूकता का संदेश देते हुए बच्चों और नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। योग संस्थान और गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी उपस्थिति : विश्व साइकिल दिवस (3 जून) की कड़ी में आज रविवार, 7 जून को ब्यौहारी मुख्यालय में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया। आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के सहयोग से और अधिक आकर्षक बनाया गया। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल योग संस्थान नई दिल्ली के जिला एवं ब्लॉक प्रतिनिधि श्री योगेश चंद्र गुप्ता ने विशेष रूप से शामिल होकर योग और साइकिलिंग के अद्भुत समन्वय पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही क्षेत्र के जनशिक्षक, शिक्षकगण, नगर के गणमान्य नागरिक और भारी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पैडल मारकर स्वास्थ्य का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा: 'दैनिक जीवन का हिस्सा बने साइकिल'विकासखंड अधिकारी श्री श्रीवास्तव और बीआरसीसी श्री केशरवानी ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक जीवनशैली में साइकिल चलाना न सिर्फ शरीर को निरोगी रखता है, बल्कि पर्यावरण को भी प्रदूषण मुक्त बनाता है। उन्होंने सभी छात्रों और नागरिकों से अपील की कि वे अपने छोटे-छोटे दैनिक कार्यों के लिए साइकिल का उपयोग अवश्य करें। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के इस अभियान की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

सेन समाज कल्याण समिति परासिया, जिला छिंदवाड़ा (म.प्र.) मासिक सामाजिक बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) परासिया। सेन समाज कल्याण समिति परासिया, बारवर एसोसिएशन परासिया एवं युवा सेन समाज समिति परासिया की संयुक्त मासिक बैठक रविवार को समाज भवन, उमरेठ रोड, परासिया में संपन्न हुई। यह परासिया सेन समाज की विशेषता

है कि जिले में एकमात्र ऐसी सामाजिक व्यवस्था है जहां तीनों समितियां समन्वय एवं अनुशासन के साथ एक मंच पर संचालित होती हैं तथा सामाजिक कार्यों का विधिवत निर्वहन किया जाता है। बैठक का शुभारंभ परंपरानुसार भगवान हनुमान जी एवं संत शिरोमणि श्री सेन महाराज के पूजन-अर्चन, आरती एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से किया गया। तत्पश्चात समाज के दिवंगत वरिष्ठजनों एवं पुण्यात्माओं को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत विभिन्न सामाजिक एवं पारिवारिक मामलों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रथम प्रकरण अमरवाड़ा निवासी श्री दिलीप बंदेवार एवं सिवनी निवासी पूजा बंदेवार से संबंधित था। दोनों पक्षों को पूर्व में कई अवसरों पर समझाइश एवं सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया, किन्तु आपसी विचारों में समन्वय नहीं बन पाने के कारण समिति ने दोनों पक्षों को वैधानिक एवं न्यायिक प्रक्रिया अपनाने की सलाह दी। द्वितीय प्रकरण बिनेकी निवासी चंद्रशेखर बंदेवार एवं पलटवाड़ा निवासी रानी बंदेवार से संबंधित था। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से पृथक जीवन व्यतीत करने का निर्णय लिया। समिति द्वारा दोनों को अपने-अपने सामान एवं वैवाहिक सामग्री की सूची प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है, जिससे आगामी बैठक में पारस्परिक आदान-प्रदान कर सम्मानजनक रूप से प्रकरण का निराकरण किया जा सके। तृतीय प्रकरण इकलहरा निवासी धनलाल बंदेवार एवं उनकी पुत्रवधू राधा बंदेवार से संबंधित था। दोनों पक्षों की बात सुनने के पश्चात समिति ने निष्पक्षता के साथ आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही बालक के भविष्य एवं पालन-पोषण की दृष्टि से आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव दिए गए आगामी बैठक में इस विषय पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। चतुर्थ प्रकरण छिंदवाड़ा निवासी मिलन सराठे एवं रिचा सरेठा से संबंधित था। दोनों परिवारों के मध्य उत्पन्न वैचारिक एवं पारिवारिक मतभेदों के कारण मामला समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। किन्तु आज की बैठक में दूसरे पक्ष की अनुपस्थिति के कारण अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका। समिति द्वारा उन्हें आगामी बैठक में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु आमंत्रित किया गया है। बैठक में बारवर एसोसिएशन परासिया के आगामी अध्यक्षीय निर्वाचन की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई तथा आगामी माह में निर्वाचन संबंधी प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। साथ ही सेन समाज कल्याण समिति परासिया के आगामी अध्यक्ष पद के चयन हेतु वर्तमान पदाधिकारियों द्वारा माननीय समाज न्यायाधीश श्री प्रेमलाल बंदेवार जी के समक्ष अपने त्यागपत्र प्रस्तुत किए गए। आगामी कार्ययोजना निर्धारित होने तक श्री राजेन्द्र बंदेवार जी को कार्यवाहक अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। बैठक में वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र बंदेवार, उपाध्यक्ष मुन्ना बंदेवार, सचिव मनोज बंदेवार, सहसचिव सुनील सारठे, कोषाध्यक्ष सुनील बंदेवार सहित समस्त पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समाज के मीडिया प्रभारी राम सारठे के उत्कृष्ट कार्यों की विशेष सराहना की गई। उनके द्वारा समाज की गतिविधियों को समाचार पत्रों, सोशल मीडिया एवं विभिन्न माध्यमों से जन-जन तक पहुंचाने के योगदान को सभी उपस्थितजनों ने सम्मानपूर्वक स्वीकार किया। आगामी अध्यक्षीय चयन एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श हेतु दिनांक 16 जून 2026, मंगलवार को एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस बैठक में समिति के पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य सहभागी होकर अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत करेंगे। अंत में समाज की एकता, संगठन, पारदर्शिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक सुदृढ़ बनाने का संकल्प लिया गया। सभी सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि सेन समाज कल्याण समिति परासिया भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में कार्य करती रहेगी।

राज्य कर विभाग द्वारा आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रम उरमौरा स्थित होटल वैभव में संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राज्य कर विभाग द्वारा

आयोजित व्यापारी संवाद कार्यक्रम उरमौरा स्थित होटल वैभव में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मिर्जापुर मंडल से आए ज्वॉइंट कमिश्नर डी के दुबे ने किया। राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, कर संबंधी जागरूकता बढ़ाने एवं विभाग तथा व्यापारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित विभिन्न प्रावधान ऑन ऑनलाइन रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया, ई वे बिल, कर अनुपालन तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की इस अवसर पर व्यापारियों ने अपनी समस्याओं, सुझावों में व्यवहारिक कठिनाइयों को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने व्यापारियों को आस्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा तथा विभाग व्यापारिक गतिविधियों को सुगम एवं पारदर्शी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि राज्य कर विभाग के कार्यालय में व्यापारियों के बैठने की न तो व्यवस्था है, न पीने योग्य पानी है इसकी तत्काल व्यवस्था कराई जाए श्री शर्मा ने हाई कोर्ट की गाइडलाइन का जिक्र करते हुए कहा कि यदि किसी व्यापारी का एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में माल जा रहा है तो बीच के प्रदेश में सचल दल द्वारा न तो गाड़ी रोकी जाए और ना ही माल सीज किया जाए। श्री शर्मा ने कहा कि सचल दल द्वारा ट्रांसपोर्ट की गाड़ी रोककर उसकी चाबी और मोबाइल न लिया जाए यह कृत्य असंवैधानिक होने के साथ-साथ अव्यावहारिक भी है इस पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि करोना काल के बाद व्यापारी आर्थिक रूप से काफी कमजोर हो गया है दूसरे ऑनलाइन व्यापार कोढ में खाज पैदा कर रहा है खासकर छोटे व्यापारी इसका शिकार हो रहे हैं दूसरे कानूनी प्रक्रियाओं की जटिलताओं को न समझ पाने के कारण छोटे व्यापारी समाप्त होते जा रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने विभाग द्वारा आयोजित इस संवाद कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विभाग और व्यापारियों के बीच आपसी विश्वास मजबूत होता है तथा समस्याओं के त्वरित समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है व्यापारी प्रतिनिधियों ने व्यापार हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए कर प्रणाली को और अधिक सरल एवं व्यापार अनुकूल बनाने हेतु अपने-अपने सुझाव भी प्रस्तुत किया कार्यक्रम में राज्य करके वरिष्ठ अधिकारी डिप्टी कमिश्नर रितेश मिश्रा, डिप्टी कमिश्नर बी.के बंसल, असिस्टेंट कमिश्नर सुधीर गौतम ,असिस्टेंट कमिश्नर अजय यादव, राज्य कर अधिकारी उपेंद्र कुमार , राज्य कर अधिकारी मनीष कुमार, लेखाकार जुनैद एवं वाणिज्य कर के वरिष्ठ अधिवक्ता क्रमशःअशोक श्रीवास्तव, एसपी सिंह, ध्रुव प्रताप सिंह, सियाराम सिंह, पवन शर्मा, धर्मेंद्र ओझा भगत सिंह, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता एवं अन्य व्यापार मंडल के लोग मौजूद रहे।

आरक्षी नागरिक पुलिस परीक्षा के सफल, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण आयोजन हेतु राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आरक्षी नागरिक

पुलिस परीक्षा के सफल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों, स्ट्रांग रूम, कंट्रोल रूम तथा परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा संचालन से जुड़े अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा, निगरानी एवं गोपनीयता संबंधी सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि भर्ती परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने तथा परीक्षा के दौरान सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

आई0जी0आर0एस0 शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर डीएम सख्त,जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों-कर्मचारियों का वेतन अग्रिम आदेश तक रोका

असंतुष्ट फीडबैक बढ़ने पर तहसीलदार दुद्धी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जन शिकायतों के

गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट सभागार स्थित जनसुनवाई कक्ष में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि अनेक प्रकरणों में शिकायतकर्ता की संतुष्टि प्राप्त किए बिना ही आख्या अपलोड कर संदर्भों का निस्तारण कर दिया गया है, जिसके कारण असंतुष्ट फीडबैक की संख्या लगातार बढ़ रही है। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि शासन एवं मंडल स्तर से समय-समय पर जारी निर्देशों के बावजूद शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं बरती जा रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उसकी संतुष्टि सुनिश्चित करने की व्यवस्था पहले से उपलब्ध है, इसके बावजूद उसका अनुपालन न किया जाना अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाता है। परिणामस्वरूप असंतुष्ट फीडबैक में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है, जो शासन की मंशा के विपरीत है तथा पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही का द्योतक है। उक्त स्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), सोनभद्र के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता सहित समस्त स्टाफ के माह जून-2026 के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि असंतुष्ट फीडबैक में कमी नहीं आती है तो उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई, यहां तक कि निलंबन की संस्तुति भी की जाएगी।

समीक्षा बैठक में तहसील दूधी के अंतर्गत शिकायतों के निस्तारण में भी लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार दूधी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही अथवा औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कौन सो काज कठिन जग माहि जो नहीं होत तात तुम पाही-जय श्री राम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मारवाड़ी युवा मंच महिला सोन शाखा, सोनभद्र ने 6 जून शनिवार को पुरुषोत्तम मास के धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए राम हनुमान जानकी मंदिर में भव्य रूप से सुंदर कांड का आयोजन किया।जिसमें मंच के सभी सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही।सभी सदस्यों ने भजन, कीर्तन के साथ सुंदरकांड का पाठ विधिवत किया। उसके पश्चात शरबत, लड्डू , पारले जी बिस्कुट

वहां उपस्थित सभी भक्तजनों, बच्चों को,व आने जाने वाले राहगीरों को वितरित किया गया। इस अवसर पर मंच की अध्यक्षता श्रीमती सुनीता सांवरिया, सचिव चित्रा जालान, कोषाध्यक्ष पूनम केड़िया प्रांत सदस्या अंशिका केजरीवाल, रितु जालान ,रिंकी जालान ,सीमा अग्रवाल, सुमन केजरीवाल, मीरा जालान, अनीता कनोडिया , अनीता थर्ड, ज्योति मित्तल, सुशीला केड़िया , रंजना अग्रवाल सुनीता शराफ आदि सदस्यगण उपस्थित रहे।

थाना ओबरा पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा गया मा0 न्यायालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना ओबरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-113/2026, धारा 69, 115(2), 352, 351(3) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त राहुल यादव पुत्र चन्द्रमणि यादव निवासी ग्राम बर्दिया, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र को दिनांक 08.06.2026 को समय लगभग 05:30 बजे बग्घा नाला स्थित जिला पंचायत बैरियर के पास से गिरफ्तार किया गया। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 21.05.2026 को वादिनी द्वारा थाना ओबरा पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि अभियुक्त द्वारा उसे विवाह का झांसा देकर अपने प्रेमजाल में फंसाया गया तथा शादी का

विश्वास दिलाकर शारीरिक संबंध स्थापित किया गया। बाद में विवाह करने से इंकार करते हुए गाली-गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी गई। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना एवं अभियुक्त की तलाश के दौरान थाना ओबरा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-राहुल यादव पुत्र चन्द्रमणि यादव, निवासी ग्राम बर्दिया, थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 19 वर्ष। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 राम सिंह यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2. का0 प्रवीण कुमार राय, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के प्रति संवेदनशील एवं अपराधियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही हेतु प्रतिबद्ध है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

डिप्थीरिया से 2 बच्चों की मौत-इन 6 लक्षणों को इग्नोर न करें, तुरंत डॉक्टर को दिखाएं, बच्चों को वैक्सिन जरूर लगवाए

जयपुर। बीते दिनों महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव से डिप्थीरिया (गलघोंटू) के तीन मामले सामने आए। इनमें छह महीने और 11 साल के दो बच्चों

की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों बच्चों को डिप्थीरिया के टीके नहीं लगे थे। डिप्थीरिया एक संक्रामक बैक्टीरियल इन्फेक्शन

है, जो मुख्य रूप से गले और रेस्पिरेटरी सिस्टम को प्रभावित करता है। समय पर टीकाकरण और इलाज न मिलने पर ये जानलेवा हो सकता है। 'नेशनल हेल्थ प्रोफाइल 2022' के मुताबिक, साल 2020 में भारत में डिप्थीरिया के 1586 मामले दर्ज हुए, जिनमें 22 लोगों की मौत हुई। वहीं 2021 में 3677 मामले दर्ज हुए, जिनमें 47 लोगों की जान गई थी। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम डिप्थीरिया के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि -डिप्थीरिया कैसे फैलता है? इसके लक्षण क्या हैं? इससे बचने के क्या उपाय हैं? विषय को समझेंगे सोर्सः डॉ. रोहित शर्मा, कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- डिप्थीरिया (गलघोंटू) क्या है? जवाब- यह एक गंभीर बैक्टीरियल इन्फेक्शन है, जो 'कोरीनेबैक्टीरियम डिप्थीरिया' नामक बैक्टीरिया से होता है। यह मुख्य रूप से गले, नाक और रेस्पिरेटरी सिस्टम को प्रभावित करता है। संक्रमण के कारण गले में सफेद या भूरे रंग की मोटी लेयर बन जाती है, जिससे सांस लेने और कुछ भी निगलने में परेशानी होती है। गंभीर मामलों में टॉक्सिन हार्ट और नर्वस सिस्टम को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- इसे 'गलघोंटू' क्यों कहा जाता है? जवाब- डिप्थीरिया में गले और टॉन्सिल पर मोटी लेयर बन जाती है, जो सांस की नली को ब्लॉक कर सकती है। इससे मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है और गला घुटने जैसा महसूस होता है। यही वजह है कि इसे 'गलघोंटू' कहा जाता है।

सवाल- डिप्थीरिया कैसे फैलता है? जवाब- यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने और संपर्क से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से। संक्रमित व्यक्ति के घाव के संपर्क से। संक्रमित व्यक्ति के खांसने छींकने से। संक्रमित सामान शेयर करने से। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से। सवाल- क्या डिप्थीरिया सिर्फ बच्चों को ही होता है? जवाब- नहीं, यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। हालांकि जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है या जिन वयस्कों ने समय पर बूस्टर डोज नहीं ली है, उन्हें रिस्क ज्यादा होता है। कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों में भी यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। सवाल- किन बच्चों को डिप्थीरिया का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- इन बच्चों को रिस्क ज्यादा होता है- जिनकी उम्र 5 साल से कम है। जिन्हें डिप्थीरिया का टीका नहीं लगा है।

जिनकी बूस्टर डोज छूट गई है। जो गंदगी और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में रहते हैं। जो कुपोषित हैं। सवाल- डिप्थीरिया के लक्षण क्या हैं? जवाब- डिप्थीरिया के लक्षण आमतौर पर संक्रमण के 2-5 दिन में दिखाई देते हैं। कुछ लोगों में लक्षण नहीं दिखते या बहुत हल्के हो सकते हैं। थकान, कमजोरी, निगलने में दर्द/परेशानी, लिम्फ नोड्स में सूजन, गले में दर्द, खराश, हल्का बुखार, सांस लेने में परेशानीइसके बावजूद वे संक्रमण फैला सकते हैं। सवाल- क्या डिप्थीरिया सिर्फ गले को प्रभावित करता है? जवाब- नहीं, गंभीर मामलों में डिप्थीरिया का टॉक्सिन ब्लड स्ट्रीम के जरिए अन्य अंगों तक पहुंच सकता है। इससे-इर्रेगुलर हार्टबीट, हार्ट की मसल्स में सूजन (मायोकार्डाइटिस) और हार्ट फेलियर का रिस्क होता है। हाथ-पैरों में कमजोरी, निगलने व बोलने में दिक्कत और लकवा का खतरा रहता है। रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट ब्लॉक होने का रिस्क होता है। गंभीर मामलों में किडनी फेलियर भी हो सकता है। सवाल- डॉक्टर डिप्थीरिया को कैसे डायग्नोस करते हैं? जवाब- डिप्थीरिया के लक्षण दिखने पर इसकी पुष्टि के लिए कुछ टेस्ट कराए जाते हैं- थ्रोट स्वैब और कल्चर टेस्टः शुरुआती स्टेज में गले से सलाइवा/टिश्यू सैंपल लेकर लैब में बैक्टीरिया की पहचान की जाती है। टॉक्सिन टेस्टः डिप्थीरिया एडवांस स्टेज में होने पर टॉक्सिन्स बनाने लगता है। इस टेस्ट से इसका पता लगाया जाता है। ब्लड टेस्टः गंभीर मामलों में संक्रमण के शरीर में फैलने का पता लगाने के लिए ब्लड टेस्ट कराया जाता है।सवाल- डिप्थीरिया का इलाज कैसे होता है? जवाब- इलाज का उद्देश्य बैक्टीरिया को खत्म करना और उसके टॉक्सिन के असर को रोकना होता है। इसके लिए डॉक्टर- शरीर में मौजूद टॉक्सिन के असर को कम करने के लिए एंटीटॉक्सिन देते हैं। बैक्टीरिया खत्म करने के लिए एंटीबायोटिक दवाएं देते हैं। गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ सकती है। सांस लेने में ज्यादा दिक्कत होने पर ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ सकती है।

संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मरीज को कुछ समय के लिए आइसोलेट किया जा सकता है। सवाल- डिप्थीरिया से बचने का सबसे असरदार तरीका क्या है? जवाब- इसके लिए डीपीटी (डिप्थीरिया, पर्टुसिस एंड टिटनेस)/पेंटावेलेंट वैक्सिन दी जाती है। यह वैक्सिन शरीर को संक्रमण से लड़ने के लिए तैयार करती है और कॉम्प्लिकेशंस से बचाती है। वैक्सिन पूरे देश में 'राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम' के तहत फ्री में लगाई जाती है। इसलिए- बच्चों का टीकाकरण समय पर पूरा कराएं। डॉक्टर की सलाह के अनुसार बूस्टर डोज लगवाएं। संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से बच्चों को बचाएं और खुद बचें। वैक्सिन से जुड़े जरूरी सवाल

सवाल- डिप्थीरिया की वैक्सिन कब लगती है? जवाब- डिप्थीरिया से बचाव के लिए बच्चों को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के तहत कई चरणों में वैक्सिन दी जाती है। समय पर सभी डोज और बूस्टर लगवाना जरूरी है। सवाल- अगर बच्चे की वैक्सिन मिस हो जाए तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। आमतौर पर छूटी हुई डोज पूरी की जा सकती है। इसके लिए- बच्चे का टीकाकरण रिकॉर्ड जांचें। डॉक्टर से सलाह लेकर जल्द-से-जल्द छूटी हुई डोज लगवाएं। सवाल- क्या वैक्सिन लगने के बाद भी डिप्थीरिया हो सकता है? जवाब- हां, वैक्सिन लगने के बाद भी कुछ मामलों में डिप्थीरिया हो सकता है। टीका इसके कॉम्प्लिकेशंस से सुरक्षा देता है। इसलिए टीकाकरण कराने वाले लोगों में बीमारी आमतौर पर ज्यादा गंभीर नहीं होती है। सवाल- किन इलाकों में डिप्थीरिया का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- डिप्थीरिया का रिस्क उन इलाकों में ज्यादा होता है, जहां टीकाकरण का कवरेज कम है और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। भीड़भाड़ और खराब हाइजीन वाले क्षेत्रों में संक्रमण तेजी से फैल सकता है। सवाल- क्या डिप्थीरिया के मरीज को आइसोलेट करना जरूरी है? जवाब- हां, मरीज को अलग रखने से संक्रमण के प्रसार को रोकने में मदद मिलती है। सवाल- किन स्थितियों में डॉक्टर को तुरंत दिखाना जरूरी है? जवाब- डिप्थीरिया के कुछ लक्षण गंभीर स्थिति का संकेत हो सकते हैं। ऐसे लक्षणों को बिल्कुल इग्नोर न करें। जैसेकि- सांस लेने/निगलने में परेशानी हो। गले/टॉन्सिल पर सफेद या ग्रे लेयर दिखाई दे। सीने में दर्द, हा टबीट इर्रेगुलर हो। सुस्ती या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें। सवाल- क्या डिप्थीरिया में कोई घरेलू उपाय किए जा सकते हैं? जवाब- नहीं, यह मेडिकल इमरजेंसी है। इसलिए डॉक्टर की निगरानी जरूरी है। कुछ बातों का ध्यान रखें- डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं समय पर लें। पर्याप्त आराम करें। शरीर में पानी की कमी न होने दें। आसानी से निगली जा सकने वाली चीजें खाएं। मरीज को आइसोलेट करें, ताकि संक्रमण न फैले। सवाल- डिप्थीरिया कब जानलेवा हो सकता है? जवाब- समय पर इलाज न होने पर यह जानलेवा हो सकता है। इन स्थितियों में खतरा बढ़ जाता है- सांस की नली ब्लॉक होने पर। हार्ट तक इन्फेक्शन पहुंचने पर। नर्व्स को नुकसान होने पर। रेस्पिरेटरी फेलियर होने पर।

29 साल के ज्वेरेव ने पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोबोली को हराया

स्पोर्ट डेस्क। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर

का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया है। उन्होंने फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली को हराया। पेरिस में रविवार को खेले गए मेंस सिंगल्स फाइनल में दूसरी सीड ज्वेरेव ने दसवीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो को पांच सेटों में 6-1, 4-6, 6-4, 6-7, 6-1 से हराया। 29 साल के ज्वेरेव 11 साल से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। इससे पहले वे ग्रैंड स्लैम में तीन बार फाइनल में और सात बार सेमीफाइनल में हार चुके थे। फ्रेंच ओपन के अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन को ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट कहा जाता है। ज्वेरेव ने मैच की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करते हुए पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया। इसके बाद कोबोली ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव ने फिर तीसरा सेट 6-4 से जीता, लेकिन कोबोली ने चौथे सेट को टाई-ब्रेकर में 7-6(5) से जीतकर मुकाबले को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर 6-1 से एकतरफा जीत दर्ज की। 89 साल बाद कोई जर्मन मेंस खिलाड़ी चैंपियन बना-ज्वेरेव फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले 89 साल के बाद पहले जर्मन मेंस खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने यह टूर्नामेंट जीता था। वहीं, किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स का खिताब जीतने वाले आखिरी जर्मन मेंस खिलाड़ी बोरिस बेकर थे, जिन्होंने 1996 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीते थे- ज्वेरेव ने मास्टर्स 1000 इवेंट्स के साथ दो एटीपी फाइल्स भी जीते हैं। टोक्यो में ज्वेरेव ने ओलिंपिक गोल्ड भी जीता था लेकिन उनके खाते में ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं था। इससे पहले 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताबी मुकाबला वह हार चुके थे। कौन हैं फ्लेवियो कोबोली-फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में पहुंचे फ्लेवियो कोबोली इटली के उभरते हुए टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 24 साल के कोबोली पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कई मजबूत खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया। मीरा एंड्रीवा विमेंस सिंगल्स की चैंपियन-इससे पहले शनिवार को रूस की 19 साल की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने फ्रेंच ओपन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब जीता था। उन्होंने पोलैंड की माया च्वालिंस्का को हराया था। उनका भी ये पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था।

क्या चावल खाने से डायबिटीज होता है?क्या चावल से बेहतर है रोटी, जानें मिथ और सच्चाई, इसके 8 हेल्थ बेनिफिट्स

नयी दिल्ली। क्या चावल खाने से डायबिटीज होता है? इसका जवाब नहीं है। क्या चावल खाने से फैट बढ़ता

है? इसका जवाब है कि यह अकेला कारण नहीं है। बीते कुछ सालों में चावल को लेकर जिस तरह से परसेप्शन बना है कि यह अच्छा भोजन नहीं है। यह बिल्कुल गलत परसेप्शन है, जिसके कारण लोग अपनी थाली से चावल अवॉइड करने लगे हैं। इंसान कम-से-कम पिछले 5,000 सालों से चावल उगा रहे हैं। यह दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी के लिए मुख्य भोजन है। दुनिया का ज्यादातर चावल एशियाई देशों में उगाया जा रहा है। चावल ग्लूटेन-फ्री होता है। इसलिए यह उन लोगों के लिए भी सेफ है, जिन्हें गेहूं या ग्लूटेन से एलर्जी होती है। पानी की कमी और थकान से बचने के लिए चावल जैसे न्यूट्रिशनल, आसानी से पचने वाले और हाई एनर्जी फूड को डाइट में शामिल करना एक स्मार्ट और साइंटिफिक चॉइस हो सकती है। आज 'फिजिकल हेल्थ' में चावल के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- चावल की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? चावल खाने के फायदे क्या हैं? इसे किन बीमारियों में नहीं खाना चाहिए? चावल में कॉम्प्लेक्स कार्ब होता है.चावल में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट होता हैं, जो शरीर को धीरे-धीरे ऊर्जा देता है। सफेद चावल का पाचन आसान होता है। इसलिए बुखार, डिहाइड्रेशन या पाचन से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद होता है। वहीं ब्राउन राइस में फाइबर, विटामिन बी और एंटीऑक्सीडेंट्स ज्यादा होता है, जो पाचन में, मेटाबॉलिज्म और हार्ट हेल्थ के लिए मददगार हैं।सफेद और ब्राउन राइस की न्यूट्रिशनल वैल्यू में बड़ा फर्क होता है। सफेद चावल में मुख्य रूप से कार्ब्स होते हैं और यह रिफाइंड यानी प्रोसेस्ड होता है। इसका ऊपरी हिस्सा यानी ब्रैन हटा दिया जाता है, जिससे इसमें मौजूद कई जरूरी पोषक तत्व कम हो जाते हैं। ब्राउन राइस में ब्रैन बना रहता है। इसलिए यह ज्यादा फाइबर, विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। यह पाचन सुधारने और दिल को हेल्दी रखने में मददगार माना जाता है।ब्राउन चावल खासतौर पर विटामिन बी1 यानी थायामिन, बी3 यानी नायासिन, बी6, मैग्नीशियम, मैंगनीज और सेलेनियम का अच्छा सोर्स होता है। वहीं सफेद चावल में यह पोषक तत्व प्रोसेसिंग के दौरान काफी हद तक निकल जाते हैं।चावल और खासतौर पर ब्राउन राइस खाने के कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं। ये हैं इसके बड़े फायदेसवालः क्या डायबिटिक लोग चावल खा सकते हैं?जवाबः हां, डायबिटीज से पीड़ित लोग ब्राउन राइस खा सकते हैं। ब्राउन राइस का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अपेक्षाकृत (जीआई) कम होता है (लगभग 50-55), जिससे यह शरीर में धीरे-धीरे पचता है और ब्लड शुगर को अचानक नहीं बढ़ाता। इसके अलावा, इसमें ज्यादा फाइबर, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मानसून में बीमारियों से बचाएंगे ये सुपरफूड्स,जानें इस मौसम में क्या खाने से करें परहेज, अपनाएं 5 हेल्दी आदतें

नयी दिल्ली। बारिश की रिमझिम फुहारें भले ही गर्मी से राहत देती हों, लेकिन ये मौसम

कई बीमारियों को भी साथ लेकर आता है। हवा में बढ़ी नमी और

तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से इस दौरान वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग जैसी दिक्कतें आम हो जाती हैं। इसकी असल वजह हमारी कमजोर होती इम्यूनिटी है। अगर समय रहते खानपान पर ध्यान न दिया जाए तो मामूली इन्फेक्शन भी बड़ी परेशानी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इस मौसम में ऐसा खाएं जो नेचुरल हो, डाइजेस्ट होने में आसान हो और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए।एनर्जेटिक और हेल्दी रखने के लिए क्या करें? इस मौसम में कैसी डाइट फॉलो करनी चाहिए? एक्सपर्टः अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, नई दिल्ली से जानेंगे सवाल जवाब के माध्यम से सवाल-बदलता मौसम हमारी इम्यूनिटी पर क्या असर डालता है?

जवाब- मानसून में तापमान गिरने और नमी बढ़ने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीरे हो जाता है। यानी खाना पचने की गति कम हो जाती है। नतीजतन, शरीर को उतनी एनर्जी नहीं मिल पाती जितनी जरूरत होती है। इससे थकान, भारीपन, गैस, अपच और भूख न लगने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कमजोर मेटाबॉलिज्म का सीधा असर इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है, जिससे शरीर इन्फेक्शन से जल्दी घिर सकता है। साथ ही इस मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जो आसानी से इन्फेक्शन फैलाते हैं। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है तो हल्की सी लापरवाही से सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी, गले की खराश या स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं जल्दी पकड़ लेती हैं। सवाल- मानसून में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कौन से फूड्स फायदेमंद हैं? जवाब- कुछ फल, सब्जियां, अनाज, दालें और नट्स ऐसे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में खास भूमिका निभाते हैं। इनमें जरूरी विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर होता है। यह शरीर को अंदर से ताकत देता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इन्हें रोजाना डाइट में शामिल करने से न केवल पाचन अच्छा रहता है, बल्कि मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी-जुकाम, बुखार और पेट की दिक्कतों से भी बचाव होता है। सवाल- इन फूड्स को खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- मानसून में खाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खाना। नमी और गर्माहट के चलते इस मौसम में खाने में जल्दी बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए हर चीज को साफ-सुथरा और सुपाच्य बनाकर खाना चाहिए। फल- अमरूद, पपीता, सेब जैसे फल ताजे और पूरी तरह धोकर खाएं। बेहतर होगा कि छिलका हटाकर या अच्छी तरह रगड़कर धोने के बाद ही खाएं, ताकि बिल्कुल गंदगी न रहे।सब्जियां- गाजर, भुट्टा (मक्का), भिंडी जैसी सब्जियों को

हल्का उबालकर या भाप में पकाकर खाएं। इससे ये नरम हो जाती हैं। साथ ही जल्दी पचती हैं और इनमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। अनाज और दलिया- ओट्स, दलिया, मूंग दाल जैसी चीजें अच्छी तरह पकाकर और गर्म खानी चाहिए। ये हल्की होती हैं और पाचन में मदद करती हैं। बासी या अधपकी चीजों से बचें। ड्राई फ्रूट्स और सीड्स- खजूर और अंजीर को थोड़े गुनगुने पानी में भिगोकर खाना सबसे बेहतर होता है, इससे ये मुलायम हो जाते हैं और आसानी से पचते हैं। सवाल- मानसून में कौन से फूड्स से परहेज करना चाहिए? जवाब- मानसून में खाने-पीने को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है। इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण फूड आइटम जल्दी खराब होते हैं और उनमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ऐसे में कुछ चीजें खाने से न सिर्फ पाचन बिगड़ सकता है, बल्कि फूड पॉइजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझे कि किन फूड्स से इस मौसम में दूरी बनाना ही समझदारी है।सवाल- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी मजबूत रखने के लिए क्या खास ध्यान रखना चाहिए?जवाब- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी सामान्य लोगों की तुलना में कमजोर होती है, इसलिए मानसून में उनका खास ख्याल रखना जरूरी है। इम्यूनिटी मजबूत बनाए रखने के लिए नीचे कुछ जरूरी बातें अपनानी चाहिए। बच्चों के लिए ताजे फल, मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया जैसी हल्की और पौष्टिक चीजें खाने के लिए दें। बाहर का तला-भुना खाना, आइसक्रीम, कटे फल और पैकेट वाले जूस से बचाएं। ये जल्दी खराब होते हैं और इंफेक्शन फैला सकते हैं। बच्चों को रोज थोड़ा खेल-कूद या हल्की फिजिकल एक्टिविटी कराएं ताकि शरीर एक्टिव बना रहे।हाथ धोने की आदत बार-बार करवाएं, खासतौर पर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। नींद पूरी हो, ये इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करती है। कोशिश करें कि बच्चे तय समय पर सोएं और जागें। बुजुर्गों के लिए बुजुर्गों की रोग प्रतिरोधक क्षमता उम्र के साथ कमजोर हो जाती है, इसलिए उन्हें ऐसा खाना दें जो पचने में आसान और पौष्टिक हो। जैसे दलिया, उबली मूंग दाल, ताजे फल और गुनगुना पानी। बहुत ठंडी, बासी या बाजार की चीजें जैसे फास्ट फूड, कटे फल, ठंडा दूध या दही देने से बचें। ये पेट खराब कर सकते हैं। बुजुर्गों को गुनगुना पानी पीने की आदत डालें और दिन में थोड़ी बहुत हल्की फिजिकल एक्टिविटी (जैसे वॉक या स्ट्रेचिंग) करवाएं। नींद पूरी हो और शरीर का आराम बना रहे। इसके लिए दिनचर्या नियमित रखें। अगर बुजुर्ग कोई दवा खाते हैं तो डॉक्टर से डाइट को लेकर सलाह जरूर लें क्योंकि कुछ दवाएं पाचन या भूख को प्रभावित कर सकती हैं।सवाल- खाने के अलावा कौन-सी आदतें इम्यूनिटी को मजबूत करती हैं? जवाब- सिर्फ अच्छा खाना ही नहीं, बल्कि कुछ रोज की आदतें भी हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। जैसेकि- हर दिन हल्का व्यायाम करें। 20-30 मिनट की वॉक, योग या स्ट्रेचिंग से शरीर एक्टिव रहता है और इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है। 7-8 घंटे की नींद लें। नींद पूरी न होने से शरीर थका रहता है और संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है। लगातार चिंता या टेंशन इम्यूनिटी को कमजोर कर सकती है।

मेडिटेशन, गहरी सांस या म्यूजिक से राहत पाएं। कीटाणुओं से बचने के लिए साफ-सफाई बेहद जरूरी है, खासकर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। भूखा रहना या कम पानी पीना शरीर की ताकत को कमजोर करता है। हर 2-3 घंटे में कुछ हेल्दी जरूर खाएं और दिनभर में 7-8 ग्लास पानी पीना न भूलें।

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई

से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।उचित कीमत पर परिवहन देने से ये प्रवासी कर्मचारी अपने परिवार से मिलने वापस आएंगे और अपनी कमाई हुई राशि यहीं खर्च भी करेंगे। जब वे इतना अधिक खर्च परिवहन पर ही कर देंगे तो दूसरी चीजों पर उदारता के साथ खर्च नहीं कर पाएंगे। इस कारण राज्य आय से वंचित रहता है और उसकी अर्थव्यवस्था गति नहीं पकड़ पाती। फंडा यह है कि प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर उचित मूल्य का परिवहन व्यवसाय करना राज्यों की आय बढ़ाता है और स्थानीय लोगों को उत्पादक बने रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि होती है। (एन. रघुरामन)

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर

दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की प्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों ही नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों में भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

पेट्स में हीलिंग पावर होती है; हमारे साथ रहने वाले जानवर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं

वह किसी तालाब के किनारे बैठी अपने ख्यालों में डूबी थी। अचानक पानी में चार घुड़सवारों की परछाइयां दिखाई देती हैं। वह तत्काल मुड़कर उठती है और चिल्लाती है- 'चल धन्नो!' और घोड़ी भी तुरंत मुड़कर उसकी ओर

देखती है, मानो वह अपनी मालकिन पर मंडरा रहे खतरे को समझ गई हो। उसके तांगे पर चढ़ने से पहले ही धन्नो रफ्तार पकड़ने लगती है। तांगे पर चढ़ते ही वह कहती है- 'भाग धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है...।' 51 वर्ष पुरानी फिल्म 'शोले' का यह दृश्य अधिकांश लोगों को याद होगा। कुछ लोगों ने शायद यह भी सोचा हो कि भला कोई घोड़ी खतरे को कैसे भांप सकती है। लेकिन मुझे इस दृश्य पर कभी संदेह नहीं हुआ, क्योंकि मैंने ऐसे लेख

पढ़े हैं और बुजुर्गों से ऐसी कहानियां सुनी हैं जिनमें बताया गया है कि मनुष्यों के साथ रहने वाले पशु न केवल अपने मालिक की हर बात समझ लेते हैं, बल्कि वे हमारे बढ़े हुए रक्तचाप को भी घटा सकते हैं, हमारी चिंताओं को शांत कर सकते हैं और कुछ रोगियों में जीने की इच्छा तक जगा सकते हैं। किंतु मैंने इन प्रभावों को स्वयं तब तक नहीं देखा था, जब तक कि मेरी मां की मुलाकात 'सीसू' से नहीं हुई। वह एक पालतू कुत्ता था, जिसे हमारे घर में आने की अनुमति प्राप्त थी। सीसू का परिचय देने से पहले मुझे यह तथ्य स्वीकारना होगा कि मैंने भी अपनी शादी में दहेज लिया था। जी हां, सीसू- जो मेरी शादी के समय आठ वर्ष का था- मेरी पत्नी के साथ 'दहेज' के रूप में हमारे घर आया था। सबसे दिलचस्प बात यह थी कि विदाई के समय वह कार की आगे वाली सीट पर बैठा था। नवविवाहित जोड़े की आरती होने से पहले ही वह घर के भीतर चला गया था। उसने घर के हर कोने को सूंघकर देखा, फिर बाहर आकर आरती के लिए सबसे आगे बैठ गया। पहले तिलक उसी के माथे पर लगाया गया और उसके बाद नवविवाहित जोड़े के माथे पर। यह दृश्य देखकर वहां उपस्थित सभी लोग हंसी से लोटपोट हो गए। मानो उसने घर का निरीक्षण कर अपनी स्वीकृति दे दी हो और मेरी पत्नी को संकेत किया हो कि यह घर उनके लिए सुरक्षित है। धीरे-धीरे हमारी रसोई की चर्चाएं भी सीसू की पसंद-नापसंद के इर्द-गिर्द घूमने लगीं। एक दिन मैंने अपनी मां को कहते सुना, सीसू को घी वाला डोसा पसंद है। जबकि यह विशेषाधिकार खुद हमें केवल रेस्तरां में ही नसीब हो पाता था। मुझे कभी जन्मदिन याद नहीं रहते थे, लेकिन एक दिन मेरी मां ने यह बताकर मुझे चौंका दिया कि उन्होंने सीसू के जन्मदिन पर 300 रुपये खर्च किए हैं। मैंने बहस करने की कोशिश की, किंतु दयालु हृदय वाली दृढ़निश्चयी मां के सामने मेरी एक न चली। जब मां व्रत रखती थीं, तब सीसू भी एक दाना तक नहीं खाता था। वह उनके साथ समीप के मंदिर तक जाता था और जब तक वे अपनी पूजा समाप्त नहीं कर लेतीं, तब तक शांति से उनकी प्रतीक्षा करता रहता था। जब कीमोथेरेपी के बाद वे तीन-चार दिनों के लिए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती रहती थीं, तब भी उनकी सबसे बड़ी चिंता सीसू के भोजन और उसकी तबीयत को लेकर ही रहती थी। जब हम कहते, 'वह खाना नहीं खा रहा है', तो वे कहतीं, 'उम्मीद है मैं सीसू से पहले नहीं मरूंगी।' कई बार हमें लगता था कि कैंसर की अंतिम अवस्था में होने के बावजूद सीसू के कारण ही उनमें जीवित रहने की इच्छा शेष थी। एक बार डॉक्टरों ने मुझसे कहा, 'वे दवाओं पर बेहतर प्रतिक्रिया दे रही हैं, क्योंकि वे घर लौटकर सीसू से मिलने के लिए उत्सुक हैं।' जैसे-जैसे उनकी सेहत बिगड़ने लगी, सीसू उनका स्थायी साथी बन गया। यदि हम उसका भोजन लेकर जाते, तो वह तब तक उसे नहीं खाता था जब तक मेरी मां उसे छूकर यह न कह दें, 'खा लो मेरे बच्चे।' वह हर समय उनके पास रहता था, और जहां उनके पैरों में दर्द होता, वहां अपना पंजा रख देता। जब कैंसर के कारण मेरी मां की पीठ में असहनीय पीड़ा होती, तो वह स्वयं भी खाना खाने से इंकार कर देता। मां के निधन से एक वर्ष पहले ही उसकी मृत्यु हो गई। उसके बाद जब भी मेरी मां सीसू से जुड़ी कहानियां सुनातीं, तो वे हमें मुस्कराने और हंसने पर तो मजबूर करती ही, किंतु उससे भी ज्यादा वे हमें रुला देतीं। फंडा यह है कि जब लोग कहते थे कि हमारे साथ रहने वाले जानवर हमारे शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, तो मुझे कभी इसके लिए प्रमाण की आवश्यकता नहीं पड़ी। सीसू ने हमें पहले ही यह सिखा दिया था। एन. रघुरामन

सेहतमंद बने रहने के लिए आपको यह 'फीवर' होना जरूरी है!

इस रविवार हमारे कई बुजुर्गों ने भानु सप्तमी मनाई। यह भगवान सूर्य की पूजा का महत्वपूर्ण पर्व है। बुजुर्गों ने

समृद्धि, सौभाग्य और अच्छी सेहत की भी कामना की। लेकिन हमारे युवा, जो सेहतमंद रहना चाहते हैं, उन्हें प्रार्थना के साथ कोई न कोई खेल खेलना भी पसंद होता है। और नियमित तौर पर कोई खेल खेलने के लिए जरूरी है कि 30 की उम्र से पहले आपको उस खेल का फीवर हो जाए। अगर अब तक आपको ऐसा फीवर नहीं हुआ तो आपके लिए एक शानदार मौका 11 जून 2026 से शुरू हो रहा है। इसी दिन दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन शुरू होगा, जिसमें एक खिताब के लिए 48 टीमें, 3 मेजबान देशों में 108 मैच खेलेंगी।स्बीस साल पहले लियोनेल मैसी (अब 38) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (अब 41) शायद दुनिया के सबसे जाने-पहचाने एथलीट थे। दस साल पहले तो निश्चित ही थे और आज भी हैं। दोनों स्पोर्ट्स सेलेब्रिटीज की उस पीढ़ी का हिस्सा हैं, जो इतिहास में बेमिसाल है। हालांकि खेल जगत जानता है कि शायद यह उनका आखिरी विश्वकप होगा, लेकिन वे इस संभावना को भी खारिज नहीं करते कि इसी टूर्नामेंट से कुछ नए सितारे भी उभर सकते हैं। वो कोई पहले से स्थापित खिलाड़ी हो सकता है या कोई बिल्कुल नया चेहरा, जैसे 2006 में जर्मनी में मेसी और रोनाल्डो ने डेब्यू किया था। आइए, ऐसे संभावित चेहरों पर नजर डालते हैं। 1. एरलिंग हालेंड (25), नॉर्वेः अपने स्कूली दिनों से ही वे दुनिया की नजरों में हैं। वे गोल करते हैं, शारीरिक तौर पर प्रभावशाली हैं और कम बोलते हैं। वे लगभग रोनाल्डो जैसे हैं। 2. कीलियन एमबाप्पे (27), फ्रांसः फ्रांस के कप्तान हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे शर्मीले और पसंद किए जाने वाले मेसी तथा शांत रोनाल्डो के बीच की श्रेणी के हैं। वे किसी प्री-एमिनेंट स्टार जैसे हैं, जो दूसरों से आगे निकल कर अपने क्षेत्र की खास हस्ती बनेंगे। 3. जूड बेलिंगहैम (22), इंग्लैंडः वे मिडफील्ड के बिल्कुल लयबद्ध खिलाड़ी हैं। मूवी स्टार जैसे लुक वाले और टीम के सबसे भरोसेमंद प्लेयर हैं। 4. विनीसियस जूनियर (25), ब्राजीलः हर विश्व कप में खिताब जीतने के प्रयास के अतिरिक्त ब्राजील की यह जिम्मेदारी भी होती है कि वह खेल की दिशा बदलने में सक्षम खिलाड़ी भी पेश करे। पेले, रोनाल्डो, रोनाल्डिन्हो और नेमार के बाद अब शायद विनीसियस वो सितारे हैं। 5. लेनार्ट कार्ल (18), जर्मनीः पिछले 12 साल से विश्व कप में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ पाए जर्मनी के लिए कार्ल शायद इस सूखे को खत्म कर सकते हैं। 6. लामिन यमाल (16), स्पेनः मैदान पर उनकी मौजूदगी बेहद रोमांच पैदा करती है। वे काफी हद तक मेसी जैसे हैं। 2024 की यूरोपीय चैम्पियनशिप में उन्होंने कमान संभाली और स्पेन को खिताब दिलाया। 7. गिलबर्टो मोरा (17), मेक्सिकोः विशेषज्ञों का अनुमान है कि उनमें रातोरात ग्लोबल सुपरस्टार बनने की क्षमता है, क्योंकि वे ऊर्जा से भरपूर हैं। इस मिडफील्ड ऑर्गेनाइजर की तुलना मेक्सिको के महान फुटबॉलर कुआउतेमोक ब्लांको से की जाती है, जो अपनी स्टिलनेस के लिए प्रख्यात थे। 8. ओस्मान डेम्बेले (29), फ्रांसः कई लोगों को उम्मीद है कि यह तेजतर्रार फुटबॉलर अपने साथी एमबाप्पे से भी बेहतर कर सकते हैं। बुकीज मानते हैं कि यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस खिताब जीत सकता है। 9. एंड्रिक (19), ब्राजीलः अनाथालय से निकलकर विश्व कप तक पहुंचने का उनका सफर बेहद दिलचस्प है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी क्षमता फुटबॉल फैन्स को चौंका सकती है। 10. पाउ क्यूबार्सी (19), स्पेनः बेहतरीन डिफेंडर होने के साथ आकर्षक कद-काठी वाले क्यूबार्सी फुटबॉल को फैशन बना सकते हैं। 6 फीट लंबे और 40 वर्ष जैसी सूझबूझ रखने वाले क्यूबार्सी चमत्कार कर सकते हैं। फंडा यह है कि यदि आप 39 दिन का यह इवेंट देखेंगे तो मुझे पक्का भरोसा है कि यह आपके भीतर स्पोर्ट्स फीवर पैदा कर देगा। और यदि इसके बाद आप खेलना जारी रखते हैं तो यकीन मानिए आप सेहतमंद तो बने रहेंगे। एन. रघुरामन

कठिन समय में लागत और संचालन खर्चों की कटौती पर विचार करना चाहिए

कृपया मेरी आदतों को मत कोसिए। मैं पुराने ख्यालों का आदमी हूं। विंडो शॉपिंग में भी मैं पहले प्राइस टैग देखता हूं, फिर प्रोडक्ट का मजा लेता हूं। पिछले हफ्ते मुंबई के घाटकोपर स्थित एक मॉल में किसी का इंतजार करते हुए मैं स्मार्ट बाजार में चला गया। दाखिल होते ही मेरा स्वागत किचन और बाथरूम से जुड़ी चीजों ने किया, जैसे फिनाइल, डिश वॉशिंग सोप, लिक्विड और अन्य डिटर्जेंट। मैंने फिनाइल की एक बोतल उठाई और कीमत देखकर चौंक गया। उस ब्रांडेड फिनाइल बोतल की कीमत 307 रुपए थी। मैंने तुरंत घर फोन कर पुरानी फिनाइल की बोतल पर छपी कीमत पूछी। पुरानी कीमत ने मुझे और बड़ा झटका दिया। वह 199 रुपए की ही थी। मैंने दिमाग में उन सभी सफाई उत्पादों की कीमतें नोट कर लीं, जिनके मुख्य घटक कच्चे तेल से मिलने वाले पेट्रोलियम केमिकल्स या नैफ्था से बनते हैं। उत्पादों से नजरें हटा कर फिर मैंने उस बड़े स्टोर में मौजूद लोगों को देखा। मैं ही नहीं, बल्कि महीने का राशन लेने आए ज्यादातर लोग कीमतों को लेकर हैरान थे। मैंने उनमें एक समान व्यवहार देखा। कीमतों में वृद्धि से बजट पर बढ़ते दबाव के कारण ज्यादातर ग्राहक अपने पसंदीदा ब्रांड को छोड़कर उसी शेल्फ पर रखे सस्ते विकल्प लेने को तैयार हैं। बढ़ती कीमतें हम मध्यमवर्गीयों के खर्च के तरीके को ही नहीं, बल्कि इस नजरिये को भी बदल रही हैं कि हम किस पर खर्च करना चाहते हैं। कम उम्र की महिलाएं और कम आय वाले ग्राहक ब्रांड लॉयल्टी छोड़ने के लिए ज्यादा तैयार दिखे। एक महिला अपने पति से कह रही थीं कि चूंकि नैफ्था से बनने वाले बायोडिग्रेडेबल बैग्स की कीमत दोगुनी हो गई है तो वे ऑनलाइन शॉपिंग में आने वाले पेपर बैग ही कचरे के लिए इस्तेमाल करेंगे। हालांकि पर्सनल केयर उत्पादों में बहुत कम लोग अपनी पसंद बदल रहे थे, लेकिन सफाई उत्पादों में लगभग सभी लोग कम चर्चित ब्रांड खरीदने से नहीं हिचक रहे थे। घर लौटने पर मेरी बात एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी के मालिक से हुई, जिनके मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज के साथ अन्य संस्थान भी हैं। मैंने हिचकते हुए अपनी यह मामूली-सी खोज उनसे साझा की। उनकी आवाज में ऐसा उत्साह दिखा, जैसे मैंने उनकी बड़ी समस्या का हल खोज लिया हो। उन्होंने मुझे होल्ड पर रखा और दूसरे फोन से फार्मेसी विभाग के प्रमुख को कॉल कर यूनिवर्सिटी में इस्तेमाल होने वाले फिनाइल और अन्य सफाई उत्पादों का विकल्प तैयार करने को कहा। दरअसल, होस्टल कैंटीन में इस्तेमाल होने वाले बर्तन धोने के पाउडर और लिक्विड सहित कई सफाई उत्पादों पर हर साल लाखों रुपए खर्च होते हैं। मैंने फार्मेसी विभाग के प्रमुख को यह सुझाव देते हुए सुना कि बड़े परिसरों में सोडियम सल्फेट, एसएलईएस (सोडियम लॉरिल ईथर सल्फेट) और पानी का मिश्रण काम आ सकता है। इसमें कीटाणुनाशक के रूप में आइसोप्रोपाइल अल्कोहल मिला दें तो फर्श जल्दी सूखता है और महंगे ब्रांडेड फिनाइल के बिना बैक्टीरिया भी मर जाते हैं। पाइन ऑइल, पानी और इमल्सीफायर को मिलाकर एक साधारण कीटाणुनाशक बनाया जा सकता है। इससे 307 रुपए से बहुत कम कीमत पर वही चिर-परिचित खुशबू और सफाई मिलती है। इससे मुझे अचानक अपना बचपन याद आ गया, जब हम रीठा इस्तेमाल करते थे, जो रासायनिक सर्फैक्टेंट्स का शत-प्रतिशत प्राकृतिक विकल्प है। हम बिना बीज वाले नींबू या नींबू के छिलकों को रीठा, विनेगर और सी-सॉल्ट के साथ उबाल कर चिकनाई हटाने वाला ताकतवर डिश वॉशिंग लिक्विड बनाते थे। मेरी मां सफेद विनेगर, पानी और बर्तन धोने के साबुन का थोड़ा-सा घोल मिलाकर किचन काउंटर, टाइल्स और फर्श साफ करने का असरदार स्प्रे बनाती थीं। फंडा यह है कि बड़े उद्योगों के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे जैसे सामान्य परिवारों को चलाने के खर्चे भी बढ़ते जा रहे हैं। हम सभी को इनमें कटौती कर बजट संतुलित रखने के तरीके खोजने होंगे। मुझे लिखकर बताइए कि आप अपना खर्च प्रबंधन कैसे करते हैं। एन. रघुरामन

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, कई इमारतें गिरीं, तीन की मौत; 3 मीटर ऊंची सुनामी की चेतावनी

मनीला। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग घरों और दफ्तरों

से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। जनरल सैंटोस सिटी प्रशासन ने दुकानों और इमारतों को पहुंचे भारी नुकसान की तस्वीरें जारी की हैं। सरंगानी प्रांत के अलाबेल कस्बे के पुलिस प्रमुख बेंजी एंचेटा ने बताया कि पुलिस स्टेशन की इमारत में भी दरारें आ गई हैं। एंचेटा ने रॉयटर्स से कहा, 'यह सबसे शक्तिशाली भूकंप है जिसे हमने यहां महसूस किया है।' उनके मुताबिक झटकों के दौरान कुछ लोग डर के कारण बेहोश हो गए। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है। भूकंप का असर फिलीपींस से बाहर भी महसूस किया गया। इंडोनेशिया के उत्तर सुलावेसी और उत्तर मलुकु क्षेत्रों में झटके महसूस हुए। मनाडो शहर के लोगों ने बताया कि कंपन काफी तेज था। इंडोनेशिया की मौसम और भूभौतिकी एजेंसी बीएमकेजी ने अपने उत्तर-पूर्वी तट के लिए सुनामी चेतावनी जारी की है। मलेशिया के कुछ तटीय इलाकों में भी एक मीटर तक ऊंची लहरों की आशंका जताई गई है। जापान मौसम एजेंसी ने इबाराकी प्रीफेक्चर से लेकर ओकिनावा प्रीफेक्चर तक दक्षिणी तटीय इलाकों के लिए सुनामी एडवाइजरी जारी की है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने गुआम के लिए भी चेतावनी जारी की है। हालांकि अमेरिकी एजेंसियों ने साफ किया है कि अमेरिका और कनाडा के प्रशांत तटों के लिए कोई सुनामी खतरा नहीं है। हवाई के लिए भी किसी खतरे की पुष्टि नहीं हुई है। मुख्य भूकंप के बाद उसी इलाके में कई और झटके दर्ज किए गए हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ये आफ्टरशॉक हैं, जो बड़े भूकंप के बाद सामान्य रूप से आते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि आफ्टरशॉक कई दिनों, हफ्तों या वर्षों तक जारी रह सकते हैं। कुछ मामलों में इनकी तीव्रता मुख्य भूकंप के बराबर या उससे ज्यादा भी हो सकती है, जिससे पहले से क्षतिग्रस्त इमारतों को और नुकसान पहुंच सकता है।

फिलीपींस, इंडोनेशिया और जापान प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में स्थित हैं। यह दुनिया का सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र माना जाता है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधियों के कारण अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। इसी वजह से फिलीपींस दुनिया के सबसे अधिक आपदा प्रभावित देशों में गिना जाता है। यहां हर साल कई भूकंप आते हैं और करीब 20 तूफान तथा उष्णकटिबंधीय चक्रवात भी पहुंचते हैं। अक्टूबर 2025 में फिलीपींस के सेबू प्रांत में आए 6.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में 69 लोगों की मौत हो गई थी। इस आपदा में करीब 150 लोग घायल हुए थे।

ममता के 20 सांसद भी टीएमसी छोड़ सकते हैं,सीएम शुभेंदु के साथ भाजपा बंगाल प्रभारी से मिले

कोलकाता। विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद भी ममता का साथ छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सोमवार दोपहर 20 सांसदों ने केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान सुबह टीएमसी के राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे चुके सुखेंदु शेखर रे भी मौजूद रहे। उधर, बंगाल सीएम शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे। 20 में से लोकसभा और राज्यसभा के कितने सांसद थे यह साफ नहीं हो पाया है। बैठक में काकोली घोष, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी मौजूद रहे। बाकी सांसदों के नाम सामने नहीं आए हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी के ये सभी सांसद अलग गुट बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे जल्द ही इस बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक लेटर लिखेंगे। लोकसभा में टीएमसी के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है। टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर रु29 महंगा, दिल्ली में रु942 का मिलेगा

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर रु913 से बढ़कर रु942 का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम रु60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के अनुसार,

तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं। दुनिया में सबसे सस्ती कुकिंग गैस भारत में मिल रही- इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है। उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपए में मिल रहा सिलेंडर- भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित रखती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है। यह छूट साल के पहले 4 सिलेंडरों पर लागू होती है, जिससे उन्हें एक सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपए का पड़ता है। भारत में 10.58 करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला कनेक्शन हैं। नोटः 14.2 किलोग्राम के आधार पर तुलना की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में भारत का उज्ज्वला सिलेंडर करीब 60फीसदी डिस्काउंट और सामान्य घरेलू सिलेंडर लगभग 45फीसदी डिस्काउंट पर मिलता है। लागत रु1600 पार, सरकार उठा रही प्रति सिलेंडर रु700 का बोझ तरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत में एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत (कॉस्ट टू सप्लाई) 1,600 रुपए से ऊपर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 700 रुपए की अंडर-रिकवरी (नुकसान) हो रही है। इस अंडर-रिकवरी के अंतर को पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्किटिंग कंपनियां झेल रही हैं, जिसकी आंशिक भरपाई सरकार द्वारा की जाती है। पिछले वित्त वर्ष के अंत तक घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी बढ़कर 60,000 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो इससे पिछले साल 41,338 करोड़ रुपए थी। केंद्रीय कैबिनेट ने इसके लिए कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपए के मुआवजे को मंजूरी दी है। होटल-रेस्टोरेंट के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर रु3,113.50 का हुआ-होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है। इसकी तुलना में घरेलू उपभोक्ता केवल 66 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान कर रहे हैं। पश्चिम एशिया तनाव से सऊदी एलपीजी बेंचमार्क 46फीसदी महंगा हुआ-भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 60फीसदी हिस्सा आयात करता है। इसकी लैंडेड कॉस्ट सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) से तय होती है, जिसे सऊदी अरामको हर महीने की शुरुआत में फिक्स करती है। पश्चिम एशिया में आए व्यवधान और फरवरी के अंत में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है।फरवरी में जो सऊदी सीपी बेंचमार्क 542.50 डॉलर प्रति टन पर था, वह अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर और जून 2026 में 790 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया है। इस तरह फरवरी के मुकाबले जून तक एलपीजी बेंचमार्क में करीब 46फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें प्रोपेन 39फीसदी और ब्यूटेन 52फीसदी महंगा हुआ है। होर्मुज रूट बंद होने के बाद भी भारत ने जारी रखी सप्लाई-दुनिया के करीब एक-तिहाई तेल और भारत की 54फीसदी एलपीजी का आयात होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही होता है। इस मार्ग पर संघर्ष के कारण जहां अधिकांश कॉमर्शियल ट्रैफिक रुक गया, वहीं भारत ने बेहतर तालमेल के जरिए अपने जहाजों की आवाजाही जारी रखी। भारतीय झंडे वाले टैंकर लगातार इस रास्ते से कच्चे तेल और एलपीजी की खेप लेकर भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचे, जिससे देश में किसी भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट की किल्लत नहीं हुई। घरेलू प्रोडक्शन 60फीसदी बढ़ाया, अमेरिका-कनाडा से शुरू की खरीद-सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए भारत ने घरेलू एलपीजी उत्पादन को 60फीसदी से अधिक बढ़ाते हुए करीब 32 टीएमटी से 52 टीएमटी तक पहुंचा दिया। इसके साथ ही होर्मुज रूट के बाहर के देशों जैसे अमेरिका, कनाडा और अल्जीरिया से भी गैस की खरीद शुरू की गई। उपलब्ध गैस की सप्लाई में घरों के साथ अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे प्रायोरिटी यूजर्स को प्राथमिकता दी गई। दूसरी तरफ मांग के दबाव को कम करने के लिए ग्राहकों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। घरेलू गैस की कॉमर्शियल मार्केट में चोरी रोकने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी वेरिफिकेशन को बढ़ाकर 90फीसदी तक कर दिया गया है। एलपीजी से पहले पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम भी बढ़े-पिछले कुछ हफ्तों में पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम भी बढ़े हैं। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर रु7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि सीएनजी करीब रु6 प्रति किलो महंगी हुई है। कंपनियों को पेट्रोल पर करीब रु11 प्रति लीटर और डीजल पर रु33.6 प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद कंपनियों का दावा है कि पेट्रोल-डीजल अभी भी लागत से कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है। कच्चे तेल के महंगे होने का कुछ बोझ सरकारी तेल कंपनियां खुद उठा रही हैं। कैसे तय होती है गैस सिलेंडर की कीमत-अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत देखी जाती है। डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत का असर पड़ता है। गैस आयात, ढुलाई, बॉटलिंग प्लांट और डिस्ट्रीब्यूशन खर्च जोड़ा जाता है। तेल कंपनियां लागत और बाजार की स्थिति देखकर कीमत तय करती हैं। सरकार की टैक्स और सब्सिडी संबंधी नीतियों का भी असर पड़ता है। क्या होती है अंडर-रिकवरी? तेल और गैस कंपनियां जिस कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार से ईंधन खरीदती हैं या रिफाइन करती हैं, यदि सरकार के निर्देश पर आम जनता को उससे कम कीमत पर ईंधन बेचा जाए, तो उस लागत और बिक्री मूल्य के अंतर को 'अंडर-रिकवरी' कहा जाता है। यह सीधे तौर पर ग्राहकों को महंगाई से बचाने के लिए कंपनियों द्वारा सहा गया घाटा है। क्या है होर्मुज स्ट्रेट? यह फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक बेहद संकरा और महत्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग है। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का लगभग 20फीसदी और भारत का 54फीसदी एलपीजी आयात इसी रास्ते से होकर गुजरता है, जिसके चलते यह वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा का सबसे संवेदनशील रूट माना जाता है।

विजय थलापति ने जो किया, अन्नामलाई वही करना चाहते थे,क्या यही बीजेपी छोड़ने की वजह, अब कौन-सा आंदोलन खड़ा कर रहे!

चेन्नई। 2 जून को तमिलनाडु बीजेपी के नेता के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दिया। 3 दिन मान-मनौव्वल के बाद जब इस्तीफा मंजूर हुआ, तो अन्नामलाई ने अपने नए 'पॉलिटिकल मूवमेंट' का ऐलान कर दिया। ये पार्टी 2031 में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि अन्नामलाई बीजेपी में रहते वो हासिल कर सकते थे, जो सीएम विजय थलापति ने किया। जबकि कांग्रेस का कहना है कि अन्नामलाई बीजेपी की ही बी टीम बना रहे हैं। अन्नामलाई के बीजेपी से इस्तीफा देने की इनसाइड स्टोरी- अन्नामलाई ने अगस्त 2020 को बीजेपी जॉइन की औरे 11 महीने बाद 16 जुलाई 2021 को उन्हें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। सितंबर 2023 में तमिलनाडु में बीजेपी और एआईएडीएमके का पारंपरिक गठबंधन टूट गया। इसकी वजह अन्नामलाई के बयानों को माना गया, जो उन्होंने जयललिता, पलानीस्वामी और सीएन अन्नादुरई जैसे बड़े द्रविड़ नेताओं के खिलाफ दिए थे। अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव में अकेले लड़ी बीजेपी और एआईएडीएमके को एक भी सीट नहीं मिली। हालांकि, बीजेपी का वोट शेयर पहली बार 3फीसदी से बढ़कर 11फीसदी पहुंचा। इसके लिए अन्नामलाई की तारीफ भी हुई। लेकिन एक साल बाद 11 अप्रैल 2025 को चैन्नई दौरे पर गए गृहमंत्री अमित शाह ने एआईएडीएमके नेता एडापड्डी पलानीस्वामी,ईपीएस के साथ दोबारा गठबंधन का ऐलान कर दिया। उसी दिन बीजेपी नेता नैनार नागेंद्रन ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा। अन्नामलाई समेत पार्टी के 9 सीनियर नेताओं ने उनके नाम का समर्थन किया। साफ था कि अन्नामलाई को अध्यक्ष पद से हटाना ही गठबंधन में एआईएडीएमके की वापसी की शर्त थी। हालांकि, अन्नामलाई के लिए दूसरा झटका अभी बाकी था। 15 मार्च 2026 को विधानसभा चुनाव का ऐलान हुआ। 24 मार्च को एनडीए ने अपने 27 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी, लेकिन पार्टी ने अन्नामलाई को टिकट नहीं दिया। 4 मई को नतीजे आए और पहली बार चुनाव लड़ी थलापति विजय की पार्टी टीवीके ने 234 में से सबसे ज्यादा सीटें 108 जीतीं। बीजेपी और एआईएडीएमके का गठबंधन 53 सीटों के साथ तीसरे नंबर पर रहा। बीजेपी ने पिछले चुनाव में 3 सीटों के मुकाबले सिर्फ एक सीट जीती। उसका वोट शेयर भी 11फीसदी से गिरकर दोबारा 3फीसदी पर आ गया है। 2 जून को अन्नामलाई दिल्ली जाकर अमित शाह से मिले, जिसके बाद उन्होंने बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। अन्नामलाई ने इस्तीफे में लिखा, 'तमिलनाडु को लेकर मेरा और बीजेपी का नजरिया हमेशा से अलग रहा। राष्ट्रीय पार्टियां कभी तमिलनाडु के लोगों की नहीं समझ सकतीं।' इसी दिन यानी 5 जून को अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर 'इधु नम्मा इयक्कम' यानी 'ये हमारा आंदोलन है' नाम के अपने पॉलिटिकल मूवमेंट का ऐलान भी कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी सबसे बड़ी इच्छा एक नया रास्ता और नया आंदोलन शुरू करने की है। बीजेपी ने मुझे 6 साल तक तमिलनाडु के लोगों के लिए काम करने का मौका दिया। आज मैं उससे अलग हो गया हूं।' दरअसल, तमिलनाडु में पिछले 60 सालों से एक अलग तरह की राजनीति होती आई है, जिसे 'द्रविड़ पॉलिटिक्स' कहते हैं। इसी द्रविड़ पॉलिटिक्स के सहारे पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके 60 सालों तक लगातार सत्ता में रहीं। अन्नामलाई ने बीजेपी में रहते द्रविड़ पॉलिटिक्स का काट निकालने की कोशिश की, लेकिन उनका ये मिशन सफल नहीं हो पाया। आखिर तमिलनाडु की द्रविड़ पॉलिटिक्स है क्या? इसकी शुरुआत होती है- आर्य बनाम द्रविड़ की बहस से। जर्मन भाषाविद मैक्स मूलर जैसे कई विद्वानों ने दावा किया कि 1500 ईसापूर्व आर्य नाम की एक जाति ने भारतीय उपमहाद्वीप पर हमला किया। इनकी भाषा संस्कृत थी। वहीं दक्षिण भारत में बोली जाने वाली भाषाओं- तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम को द्रविड़ भाषा कहा गया। ब्रिटिश शासन के दौरान ये सोच बनी कि द्रविड़ भाषाएं आर्यों की भाषा से कमतर हैं। इसी भाषाई आधार पर देश के लोगों में एक बंटवारा हुआ- आर्य बनाम द्रविड़। फिर 20वीं सदी की शुरुआत में मद्रास में द्रविड़ सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन खड़ा हुआ। शुरुआती द्रविड़ नेता ब्राह्मणों के भी विरोधी थे। उसकी वजह थी कि मद्रास प्रेसिडेंसी में सिर्फ 3फीसदी ब्राह्मण सरकारी विभागों में करीब 70फीसदी प्रमुख पदों पर काबिज थे। गैर-ब्राह्मण नेताओं का मानना था कि ब्राह्मण दक्षिण के मूल निवासी नहीं हैं, बल्कि आर्य हैं और बाहरी हैं। द्रविड़ आंदोलन मूलतः 3 बातों पर टिका था- तमिल भाषा, संस्कृति की सुप्रीमेसी और हिंदी भाषा का विरोध। जातीय भेदभाव का विरोध, पिछड़े वर्गों की

तरक्की। केंद्र सरकार से दक्षिण की आजादी की मांग। इन्हीं तीन बातों पर दो बड़ी द्रविड़ राजनीतिक पार्टियां बनीं- 1. डीएमकेः अन्नादुरई पहले गैर कांग्रेसी सीएम बने-द्रविड़ नेता अय्योथी थास ने 1891 में 'द्रविड़ महाजन सभा' नाम का गैर-ब्राह्मण जातियों का संगठन बनाया। इसी विचारधारा पर 'जस्टिस पार्टी' बनी। 1938 में जस्टिस पार्टी के अध्यक्ष रहे दिग्गज द्रविड़ नेता पेरियार ई. वी. रामासामी ने 1944 में इसका नाम द्रविड़ कझगम यानी अंग्रेजी में 'द्रविड़ ऑर्गेनाइजेशन' (डीके) रखा। द्रविड़ राजनीतिक आंदोलन का जनक पेरियार को ही माना जाता है। आजादी के समय पेरियार का मानना था कि कांग्रेस में ब्राह्मणों के वर्चस्व के चलते देश में अंग्रेजों की जगह ब्राह्मण और उत्तर भारतीय लोगों का वर्चस्व कायम हो जाएगा। उन्होंने दक्षिण भारतीयों के लिए द्रविड़ नाडु नाम के आजाद देश की मांग की। इसका पार्टी के बड़े नेता सीएन अन्नादुरई ने विरोध किया। वह द्रविड़वाद को लेकर उतने कट्टर नहीं थे। अन्नादुरई और पेरियार से नाराज कुछ और नेताओं ने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कझगम, यानी 'प्रगतिशील द्रविड़ ऑर्गेनाइजेशन', डीएमके की नींव रखी। 1965 में हिंदी विरोधी आंदोलन के बाद डीएमके का प्रभाव बढ़ा और 1967 में विधानसभा चुनाव जीतकर मद्रास में पहली बार उसकी सत्ता आई। अन्नादुरई मद्रास राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने और 14 जनवरी 1969 को उन्होंने राज्य का नाम बदलकर 'तामिलनाडु' कर दिया। एआईएडीएमके, एक्टर एमजी रामचंद्रन सीएम बने-इधर 1952 में तमिल एक्टर एमजी रामचंद्रन यानी एमजीआर की फिल्म 'पराशक्ति' में ब्राह्मणवाद का जोरदार विरोध दिखा। लोग उन्हें द्रविड़ पॉलिटिक्स का नेता मानने लगे। 1953 में एमजीआर कांग्रेस छोड़कर डीएमके से जुड़ गए। 1967 में एमजीआर को गोली लगने के बाद सिम्पैथी की ऐसी लहर चली कि वे पहली बार सबसे ज्यादा 27 हजार वोटों से विधायक बने। लोग उन्हें 'पुरत्ची थलाइवर' यानी 'क्रांतिकारी नेता' कहने लगे। 1969 में अन्नादुरई की मृत्यु के बाद पार्टी के प्रेसिडेंट एम. करुणानिधि और एमजीआर में तनाव शुरू हो गया। 1972 में एमजीआर ने अपने राजनीतिक गुरु अन्नादुरई के नाम पर ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कझगम यानी एआईएडीएमके की नींव रखी। 1977 से 1987 तक एमजीआर दो बार एआईएडीएमके की सरकार में सीएम रहे। 1987 में एमजीआर की मृत्यु के बाद एमजीआर की को-एक्ट्रेस जयललिता एआईएडीएमके की महासचिव बनीं। उन्हें भी एमजीआर का 'कल्ट स्टेटस' हासिल हुआ। वह 6 बार तमिलनाडु की सीएम बनीं। 2016 में जयललिता की मृत्यु के बाद से एआईएडीएमके कमजोर पड़ती गई। ईपीएस अभी इसके नेता हैं। इधर डीएमके की कमान एम.के. स्टालिन के हाथों में है। 2021 से 2026 तक उनकी सरकार रही। डीएमके और एआईएडीएमके आज भी द्रविड़ पॉलिटिक्स को सबसे ऊपर रखती हैं। तमिल प्राइड, सेकुलरिज्म और एंटी-हिंदी कल्चर के अपने स्टैंड के लिए जानी जाती हैं। हालांकि दोनों में मूल अंतर ये है कि डीएमके पेरियार की सोच, एंटी-ब्राह्मण रेशनलिज्म जैसे मुद्दों पर ज्यादा सख्त है। जबकि एआईएडीएमके उतना कट्टर नहीं है। इसीलिए एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन भी हुआ। हालांकि अन्नामलाई द्रविड़ पॉलिटिक्स के बजाय नए तरीके से बीजेपी को सत्ता में लाना चाहते थे। अन्ना से विवाद के चलते बीजेपी इसमें सफल नहीं हुई, लेकिन सिर्फ 2 साल पहले टीवीके को लॉन्च करने वाले विजय थलापति इसमें सफल हो गए। सवाल-3ः तमिलनाडु में ऐसा क्या करना चाहते थे अन्नामलाई, जिस पर बीजेपी से विवाद हुआ? जवाबः तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद अन्नामलाई ने बीजेपी की पॉलिटिक्स और द्रविड़ पॉलिटिक्स के अलावा एक तीसरी तरह की पॉलिटिक्स की-अन्नामलाई का कहना था कि डीएमके नेता करुणानिधि और एआईएडीएमके की नेता जयललिता के बाद राज्य में एक पॉलिटिकल वैक्यूम है। वोटर्स दो दक्षिणवादी पार्टियों से जुड़े हैं, लेकिन तमिल प्राइड, राष्ट्रवाद को मिलाकर एक नई राजनीतिक ताकत राज्य में उभर सकती है। उन्होंने डीएमके और एआईएडीएमके पर हमला बोलना शुरू किया। कहा कि द्रविड़ राजनीति तमिल हितों से भटक गई है और वंशवादी राजनीति, भ्रष्टाचार और समाजिक बंटवारे का जरिया बन गई है। अन्ना ने तमिल पहचान के अलावा राष्ट्रवादी बयान भी दिए। चोल साम्राज्य के तमिल राजाओं और तमिल संस्कृति की महानता का जिक्र किया, तो ये भी कहा कि राष्ट्रीय पहचान की कीमत पर तमिल इतिहास का जश्न नहीं मनाना चाहिए। 2023 में अन्नामलाई ने 6 महीने में तमिलनाडु की सभी 39 लोकसभाओं में 1700 किमी की पदयात्रा की। 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर बढ़ा, तो कहा गया कि अन्ना ने बीजेपी के लिए अच्छा काम किया है। हालांकि 2026 के विधानसभा चुनाव के पहले बीजेपी को लगा कि डीएमकेके खिलाफ माहौल को भुनाने के लिए दोबारा एआईएडीएमके के साथ जाना चाहिए। एआईएडीएमके से बीजेपी के रिश्ते बेहतर करने की कीमत अन्नामलाई को प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़कर चुकानी पड़ी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'पद जाने के 6 महीने बाद अन्नामलाई ने दिसंबर 2025 में पार्टी से भी इस्तीफे की पेशकश की थी, लेकिन तब अमित शाह ने चुनाव होने तक इंतजार करने को कहा था।' इस्तीफे के बाद अन्ना का तमिलनाडु में तीसरे तरह की पॉलिटिक्स का एक्सपेरिमेंट रुक गया। हालांकि अन्ना की पॉलिटिकल वैक्यूम वाली बात सही साबित हुई। उन्होंने द्रविड़ राजनीति को जितना कमजोर किया, उसका फायदा विजय को हुआ। अन्ना द्रविड़ राजनीति को राष्ट्रवाद से हराना चाहते थे, वहीं विजय ने यही काम अपने 'नए द्रविड़वाद' से किया। विजय ने 2 फरवरी 2024 को जब तमिलगा वेत्री कझगम, टीवीके बनाई तब कहा था, 'हम द्रविड़ राष्ट्रवाद को तमिल राष्ट्रवाद से अलग नहीं करेंगे। ये दोनों इस धरती की दो आंखें हैं।' यानी विजय ने भी द्रविड़ राजनीति को ऊपर रखा, लेकिन थोड़ा अलग तरह से। पॉलिटिकल एनालिस्ट आर. राजगोपालन कहते हैं कि ये विजय की नई द्रविड़ विचारधारा है।

डीएमके के आइकॉन पेरियार और करुणानिधि हैं और एआईएडीएमके के आइकॉन एमजीआर और जयललिता। जबकि विजय ने 5 बड़ी शख्सियत- कांग्रेस के दिग्गज नेता के. कामराज, पेरियार, महिला स्वतंत्रता सेनानी वेलु नाच्चियार और अंजलाई अम्माल और भीमराव आंबेडकर को अपना आदर्श बताया। टीवीके का आधिकारिक नारा है, 'पिरप्पोक्कुम एल्ला उयिर्क्कुम' यानी 'जन्म से सभी जीव समान हैं।' ये डीएमके और एआईएडीएमके की आर्यन बनाम द्रविड़ पॉलिटिक्स की लाइन से अलग है।

टीवीके के नाम में द्रविड़ शब्द तक नहीं है। विजय ने चुनाव में ज्यादा कट्टर द्रविड़वादी मानी जाने वाली डीएमके का पुरजोर विरोध किया। जबकि एआईएडीएमके और उसके नेता ईपीएस को लेकर अपना रुख रखा। सवाल-4ः अन्नामलाई का आगे का प्लान क्या, क्या इसमें सफल होंगे? जवाबः अन्नामलाई ने कहा, 'पहले मैं लोगों को आंदोलन से जोडूंगा, फिर उन्हें ट्रेनिंग देकर इसे पॉलिटिकल पार्टी बनाऊंगा।' अन्नामलाई ने WetheLeaders.org नाम का एक पोर्टल बनाया है। 5 जून को पोर्टल शुरू होने के सिर्फ 10 घंटे के भीतर 10 लाख लोगों ने इस पर रजिस्ट्रेशन करा लिया। अन्नामलाई ने कोयंबटूर में 'एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स' बनाकर युवाओं को राजनीति की ट्रेनिंग देने का ऐलान भी किया है। उन्होंने कहा, 'इस सेंटर में मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके उन लोगों को ट्रेन किया जाएगा, जो राजनीति में आना चाहते हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता। मैं कुछ सबसे प्रतिभाशाली लोगों को राजनीति में लाकर प्रदेश की राजनीतिक भाषा बदलना चाहता हूं।' अन्नामलाई का कहना है कि 2031 के विधानसभा चुनाव से पहले स्थानीय निकाय चुनावों में भी अपने उम्मीदवार उतारेंगे। पार्टी बीजेपी को भी उसी नजरिए से देखेगी जैसे डीएमके, एआईएडीएमके या दूसरी पार्टियों को।' तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन सहित कई बीजेपी नेता भी इस्तीफा देकर अन्नामलाई से जुड़ गए हैं। नागराजन ने कहा है, 'मेरे साथ कई और बीजेपी नेता भी हैं, जिन्होंने अन्नामलाई के प्रति समर्थन जताया है।' पॉलिटिकल एनालिस्ट आर. राजगोपालन कहते हैं, '10-15 सालों तक तमिलनाडु में टीवीके की प्रासंगिकता बनी रह सकती है। लेकिन अगर अन्नामलाई अलग पार्टी बनाते हैं, तो डीएमके नेता उदयनिधि के अलावा यह टीवीके के लिए बड़ा खतरा बनकर उभर सकती है।' हालांकि तमिलनाडु के सीनियर जर्नलिस्ट आर. रंगराज कहते हैं कि अन्नामलाई के आंदोलन का असर सीमित ही रहेगा, क्योंकि टीवीके पहले ही युवाओं को अपने साथ जोड़ चुकी है। अभी हम ये भी नहीं जानते कि ये पार्टी पूरी तरह से अन्नामलाई की है या इसमें बीजेपी का समर्थन भी है।' तमिलनाडु के कांग्रेस नेता और सांसद मणिकम टैगोर ने भी एक्स पर लिखा, 'तमिलनाडु के लिए प्लान-बी तैयार है और इसके पीछे आरएसएस का भी हाथ है।' तो क्या अन्नामलाई के इस प्लान के पीछे बीजेपी है? पॉलिटिकल एनालिस्ट निहार नलिनी सारंगी कहती हैं, 'अन्नामलाई बीजेपी से इस्तीफा देते हैं, फिर गृहमंत्री के घर पर उनसे मिलते हैं और उसी दिन नई पार्टी का ऐलान कर देते हैं। वो भी उस राज्य में जहां बीजेपी अभी-अभी बुरी तरह हारी है। अन्नमलाई की ये विदाई बड़ी कंट्रोल्ड दिखती है।' सारंगी के मुताबिक, 'कोई आदमी गृहमंत्री से पार्टी छोड़ने के बाद नहीं मिलता, बल्कि तब मिलता है, जब उसे नई चाबियां सौंपी जाती हैं। इसका संकेत ये है कि अन्नामलाई ने इस्तीफे में बीजेपी के लिए कोई कड़वी बात नहीं लिखी। पीएम मोदी की तारीफ की और पार्टी को धन्यवाद भी दिया।

' सारंगी कहती हैं, 'अन्नामलाई की नई पार्टी बीजेपी के लिए कोई चैलेंज नहीं, बल्कि टीवीके की प्रतिद्वंद्वी है। इसका टारगेट टीवीके की तरह ओबीसी समुदाय, शहरी मिडिल क्लास और उन युवा वोटर्स को जोड़ना होगा, जो द्रविड़ियन राजनीति से थक चुके हैं। इसी वोटबैंक ने टीवीके को 108 सीटें दिलाईं और बीजेपी इस ट्रेंड से अनजान नहीं है।' आर. रंगराज भी कहते हैं, 'तमिलनाडु में बीजेपी ने ही अन्नामलाई को नई पार्टी बनाने के लिए बढ़ावा दिया है, क्योंकि अभी बीजेपी एआईएडीएमके के साथ मिलकर जैसी राजनीति कर रही है, उसमें अन्नामलाई के लिए कोई स्पेस नहीं बचता।' आर. राजगोपालन के मुताबिक, 'अन्नामलाई उन युवा वोटर्स को खींच सकते हैं, जिन तक बीजेपी अपनी मौजूदा पहचान के साथ नहीं पहुंच सकती। उन्हें आरएसएस का साइलेंट सपोर्ट भी मिल सकता है। ऐसे में बीजेपी,एआईएडीएमके गठबंधन में रह सकते हैं, जबकि अन्नामलाई अपने पुराने रवैये से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों के वोट काट सकते हैं।

' हालांकि, तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा है कि बीजेपी नेतृत्व ने अन्नामलाई के आंदोलन को कोई समर्थन नहीं दिया है। बीजेपी नेताओं से अपील है कि वे किसी भी बहकावे में आकर इस मूवमेंट में शामिल न हों।' सहयोग - प्रथमेश व्यास

डिंपल कपाड़िया हुई 69 की,बॉबी के सेट पर इनके नाम से ऋषि कपूर को चिढ़ाते थे अमिताभ, अक्षय को गे समझती थीं,जेनेटिक टेस्ट करवाया

मुंबई। बॉम्बे के नामी इंडस्ट्रियलिस्ट चुन्नीभाई कपाड़िया के घर बेटी का जन्म हुआ। चुन्नीभाई एक रईस इस्माइल खोजा परिवार से ताल्लुक रखते थे। निजामी इस्माइली के 41वें निजाम आगा

खान 3 (फाउंडिंग फादर ऑफ पाकिस्तान) ने डिंपल के जन्म के ठीक बाद उन्हें अमीना नाम दिया। हालांकि, परिवार ने उन्हें डिंपल नाम से पहचान दी। पिता रईस घराने से थे, जिनका उठना-बैठना फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ था। डिंपल महज 14 साल की थीं, जब स्कूल में बैठे हुए एक रोज उनकी नजर अखबार में पड़ी। इश्तिहार में लिखा था- राज कपूर नई फिल्म बॉबी के लिए एक नए चेहरे की तलाश में हैं।

डिंपल में पढ़ते ही साथ बैठीं दोस्तों से तुरंत कहा- 'देखना, ये फिल्म मैं ही करूंगी।' हैरत की बात थी क्योंकि इससे पहले भी डिंपल 13 साल की उम्र में ऋषिकेश मुखर्जी की मशहूर फिल्म 'गुड्डी' ठुकरा चुकी थीं, जिसमें बाद में जया भादुड़ी को लिया गया था। डिंपल के पिता की दोस्त अंजना रवैल एक मशहूर स्क्रीनराइटर थीं। अंजना के रिश्तेदार डायरेक्टर एच.एस.रवैल की फिल्म संघर्ष (1968) में 11 साल की उम्र में डिंपल ने वैजयंतीमाला के बचपन का रोल निभाया था, हालांकि बाद में उनके सीन काट दिए गए थे। बॉबी का इश्तिहार पढ़ने के बाद स्कूल से घर लौटते ही उन्होंने पिता से कहकर सारी जानकारी इकट्ठा करवाई और अपनी दोस्त मुन्नी धवन के जरिए तस्वीरें राज कपूर के दफ्तर भिजवाईं। शक्ल देखकर राज कपूर ने उन्हें तुरंत रिजेक्ट कर दिया। वो फिल्म से बेटे ऋषि कपूर को लॉन्च कर रहे थे और डिंपल उस समय ऋषि से बड़ी दिखती थीं। तब नीतू सिंह की मां चाहती थीं कि राज कपूर इस फिल्म से उनकी बेटी को लॉन्च करेंगे, लेकिन राज कपूर को नया चेहरा चाहिए था और नीतू बचपन में कई फिल्में कर चुकी थीं, तो बात नहीं बन सकी। डिंपल को रिजेक्ट किए जाने के कुछ दिनों बाद पिता की सिफारिश पर उन्हें फिर राज कपूर की एक फिल्म के सेट पर स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाया गया और इस बार वो चुनी गईं। ये फिल्म करना डिंपल का सपना था, लेकिन किसे पता था कि फिल्म बनते और रिलीज होते तक, उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल चुकी थी। एक नई लड़की ने भारत के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना को प्रपोज कर उनसे शादी कर ली थी। बॉबी रिलीज से पहले ही वो प्रेग्नेंट हो चुकी थीं। फिल्म बॉबी ब्लॉकबस्टर रही और डिंपल रातोंरात स्टार बन गईं, लेकिन शादी के लिए उन्हें इंडस्ट्री छोड़नी पड़ी। आज डिंपल कपाड़िया 69 साल की हो चुकी हैं। उनके जन्मदिन के खास मौके पर, जानिए उनकी जिंदगी से जुड़े किस्से-किस्सा-1 ऋषि कपूर की गर्लफ्रेंड की अंगूठी रखी, जिससे हुआ विवाद-14 साल की उम्र में डिंपल कपाड़िया को फिल्म बॉबी मिली। राज कपूर ने वो फिल्म लगातार फिल्में फ्लॉप होने से चढ़े कर्ज को उतारने के लिए बनाई थी। उन्होंने डिंपल को एक्टिंग की ट्रेनिंग दी और पूरी ग्रूमिंग करवाई। सेट पर ऋषि कपूर के साथ समय बिताते हुए दोस्ती गहरी होने लगी। ऋषि कपूर उन दिनों पारसी यास्मीन मेहता को डेट कर रहे थे। वो उनकी जिंदगी का पहला प्यार थीं। यास्मीन ने ऋषि कपूर को एक अंगूठी दी, जो वो हमेशा पहने रखते। एक दिन डिंपल को वो अंगूठी इतनी पसंद आई कि वो अक्सर पहनने के लिए उसे लेने लगीं। समय के साथ अंगूठी डिंपल के पास ही रहने लगी। शूटिंग के दौरान डिंपल और ऋषि की नजदीकियों की खबरें अखबारों और मैगजीन में छपने लगीं। बात यास्मीन तक पहुंची, तो उन्होंने ऋषि से रिश्ता तोड़ दिया। ऋषि कपूर कैसे भी यास्मीन से रिश्ता बरकरार रखना चाहते थे। वे यास्मीन को मनाने के लिए कभी उनके घर जाते, तो कभी को-स्टार्स से उन्हें कॉल करवाते। किस्सा- 2- बॉबी के सेट पर लग्जरी कारों से आती थीं डिंपल, ऋषि की टूटी-फूटी फिएट देखकर चिढ़ाते थे अमिताभ बच्चन, डिंपल कपाड़िया के पिता रईस बिजनेसमैन थे। उनके पास कई लग्जरी कारें थीं। बॉबी के सेट पर भी डिंपल लग्जरी इंपोर्टेड गाड़ियों से आती थीं। जबकि ऋषि कपूर के घर की आर्थिक स्थिति तब ठीक नहीं थी और वो एक टूटी-फूटी फिएट कार से आते थे। उसी समय फिल्मों में नए-नए आए अमिताभ बच्चन की फिल्म बॉम्बे टू गोवा की शूटिंग चल रही थी। वो भी फिएट से आते-जाते थे। सेट से गुजरते हुए अमिताभ, अक्सर ऋषि कपूर को चिढ़ाकर कहते थे- आपकी हीरोइन तो बड़ी-बड़ी कारों से आती है। जब इसी बात पर डिंपल को चिढ़ाया जाता था, तो वो बड़े स्टाइल और कॉन्फिडेंस में कहती थीं, मैं राज कपूर की हीरोइन हूं, मैं एक स्टार हूं। फिल्म चली तो ठीक और नहीं चली तो भी मैं स्टार ही रहूंगी। द मूवी मोथ को दिए इंटरव्यू में ऋषि कपूर ने ये किस्सा सुनाते हुए कहा था, 'वाकई वो उस समय स्टार थीं।' किस्सा- 3- राजेश खन्ना को करती थीं ब्लैंक कॉल, फिर फ्लाइट में किया प्रपोज-बॉबी की शूटिंग के बीच डिंपल कपाड़िया को अहमदाबाद के नवरंगपुरा स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित एक इवेंट में पहुंची थीं। इस इवेंट के चीफ गेस्ट राजेश खन्ना था। आसपास से गुजरते हुए राजेश खन्ना की नजर डिंपल पर पड़ी, तो वो बार-बार उनकी ओर देखने लगे। डिंपल बचपन से राजेश खन्ना की फैन थीं। वो कई बार उनके नंबर पर कॉल किया करती थीं और हर बार उन्हें राजेश खन्ना के मैनेजर की डांट पड़ती थी। उस इवेंट में डिंपल भी राजेश खन्ना को छुप-छुपकर देख रही थीं। तभी राजेश खन्ना ने पास खड़े एक शख्स से डिंपल की पूरी डीटेल्स ले लीं। लौटते हुए राजेश खन्ना, ठीक डिंपल की साथ वाली सीट पर बैठे। डिंपल कपाड़िया कुछ न कुछ करके उनका ध्यान खींच रही थी। फिर एक दम से बोल उठीं- 'हम जहां जा रहे हैं वहां भीड़ होगी, आप मेरा हाथ पकड़ोगे?' राजेश खन्ना ने झट से कहा- 'हां, बिल्कुल।' डिंपल ने फिर कहा- 'हमेशा के लिए।' राजेश खन्ना ने उस वक्त तो कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन मुंबई पहुंचते ही उनके घर पहुंचे और शादी का प्रस्ताव रख दिया। डिंपल महज 16 साल की थीं और राजेश खन्ना उनसे 15 साल बड़े 31 साल के सुपरस्टार थे। किस्सा-4- ऋषि कपूर की गर्लफ्रेंड की अंगूठी पहनी थी, राजेश खन्ना ने डायमंड रिंग दी तो फेंकनी पड़ी-शादी से पहले राजेश खन्ना एक रोज डिंपल को समुद्र किनारे सैर पर ले गए। उन्होंने वहां डिंपल को एक डायमंड रिंग पहनाई, लेकिन तब उन्होंने ऋषि कपूर से ली हुई उनकी गर्लफ्रेंड यास्मीन की अंगूठी पहनी हुई थी। ऐसे में राजेश खन्ना ने वो अंगूठी उतरवाकर समुद्र में फेंक दी और अपनी अंगूठी पहनाई। तब मैगजीन में खबर रही कि राजेश ने अपनी अंगूठी पहनाने के लिए ऋषि कपूर की उतरवा दी। ये खबर जब ऋषि कपूर की गर्लफ्रेंड ने पढ़ी, तो उन्हें गलतफहमी हुई कि ऋषि ने ही वो अंगूठी डिंपल को दी होगी। इस गलतफहमी से उनका और ऋषि का रिश्ता हमेशा के लिए टूट गया। 27 मार्च 1973 को राजेश खन्ना के बंगले में उनकी और डिंपल की शादी आर्य समाज रीति-रिवाजों से हुई। शादी के लिए डिंपल ने बॉबी फिल्म से ब्रेक लिया। शादी के बाद फिल्म इंडस्ट्री के लिए ग्रैंड रिसेप्शन रखा गया। किस्सा-5- शादी के बाद मेहंदी लगाकर शूट किया बॉबी का गाना-शादी के बाद जब डिंपल फिल्म बॉबी के सेट पर लौटीं तो उनके हाथों में मेहंदी रची हुई थी। शुरुआत में फिल्म के गाने मुझे कुछ कहना है के गाने की शूटिंग टाली गई, लेकिन प्रोडक्शन डिले से बचने के लिए डिंपल कपाड़िया के हाथों में रची मेहंदी के साथ ही शूटिंग करनी पड़ी। गाने में उनके हाथ में मेहंदी साफ नजर आई। डिंपल की शादी के 6 महीने बाद बॉबी रिलीज हुई। ये फिल्म बड़ी हिट साबित हुई जिसने डिंपल को बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड दिलाया। फिल्म में डिंपल के पहने गए कपड़े देशभर में ट्रेंड बन गए थे। डिंपल की एक्टिंग को खूब तारीफें मिलीं। उन्हें लोगों ने एक उभरता हुआ चेहरा बताया। कई बड़े फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्म में लेना चाहते थे, लेकिन राजेश खन्ना नहीं चाहते थे कि शादी के बाद वो फिल्मों में काम करें। डिंपल ने पति के कहने पर फिल्मी दुनिया छोड़ दी और अगले 17 की उम्र में पहली बेटी ट्विंकल को जन्म दिया। किस्सा- 6- राजेश खन्ना की फिल्मों के सेट पर अकेले बैठकर पीती थीं शराब, हेमा से कहा- धर्मेंद्र तुमसे शादी नहीं करेगा- राजेश खन्ना से शादी के बाद डिंपल पूरी तरह उन पर निर्भर हो गई थीं। वो अक्सर उनकी फिल्मों के सेट पर जातीं और घंटों अकेले बैठी रहतीं, जबकि राजेश शूटिंग में व्यस्त होते। हेमा मालिनी सेट पर हुईं मुलाकातों से उन्हें छोटी बहन मानने लगी थीं। अपनी ऑटोबायोग्राफी 'हेमा मालिनी- बियॉन्ड ड्रीम गर्ल' में हेमा ने लिखा कि डिंपल अकेलेपन में

जिंदगी गुजार रही थीं। वो सेट पर एक किनारे बैठीं शराब और सिगरेट पीती रहती थीं। न कोई उनसे ज्यादा बात करता और न ही कोई मनोजरंन का जरिया था। वो तनाव से गुजर रही थीं। उस समय हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की शादी की चर्चा थी। एक रोज डिंपल ने उनसे कहा था, 'ये आदमी (धर्मेंद्र) कभी आपसे शादी नहीं करेगा। बेहतर होगा, तुम खुद कुछ करो।' किस्सा- 7- 10 साल बाद कमबैक किया, कैमरा देखते ही कांपने लगीं-शादी के कुछ सालों बाद डिंपल और राजेश के रिश्ते में अनबन होने लगी। जब राजेश खन्ना और टीना के अफेयर की खबरें उड़ीं तो झगड़े और बढ़ गए। शादी के 9 साल बाद 1982 में डिंपल, दोनों बेटियों ट्विंकल और सिंपल को लेकर पेरेंट्स के पास रहने आ गईं। बेटियों की परवरिश के लिए ट्विंकल ने फिल्मों में वापसी करने का फैसला किया। जब रमेश सिप्पी को इसकी खबर मिली, तो उन्होंने डिंपल को स्क्रीनटेस्ट के लिए बुलाया। उनका कॉन्फिडेंस इतना कम हो चुका था कि वो कैमरे के सामने आते ही कंपकंपाने लगीं और डायलॉग नहीं बोल पाईं। टेस्ट फेल रहा, लेकिन इसके बावजूद रमेश सिप्पी ने उन्हें फिल्म सागर में कास्ट कर लिया। फिल्म के हीरो, उनकी पहली फिल्म बॉबी के हीरो ऋषि कपूर और कमल हासन रहे। फिल्म बनने में देर होती रही और इससे पहले ही डिंपल की दूसरी फिल्म जख्मी शेर (1984) रिलीज हो गई। इसके अगले साल फिल्म सागर रिलीज हुई, जो ब्लॉकबस्टर रही। किस्सा-8- डिंपल के लिए सनी ने की थी सौतेली मां हेमा मालिनी से पहली बार बात-मंजिल-मंजिल और एतबार जैसी फिल्मों में साथ काम करते हुए डिंपल कपाड़िया और सनी देओल की नजदीकियां बढ़ गईं। दोनों करीब 11 सालों तक रिलेशन में रहे, लेकिन जब इस रिश्ते से सनी की शादीशुदा जिंदगी में दिक्कतें बढ़ीं तो दोनों अलग हो गए। उस समय डिंपल की बेटियां सनी को छोटे पापा कहती थीं। हेमा मालिनी की ऑटो बायोग्राफी के अनुसार, सनी देओल ने उनसे पहली बार डिंपल की वजह से ही बात की थी। 1991 में हेमा मालिनी के प्रोडक्शन की फिल्म दिल आशना है की शूटिंग चल रही थी, जिसमें डिंपल कपाड़िया ने दिव्या भारती की मां का रोल किया था।उस समय डिंपल को मिथुन चक्रवर्ती के साथ हेलिकॉप्टर का एक सीन शूट करना था, लेकिन एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में पायलट की मौत होने से वो डरी हुई थीं। शूटिंग के दिन, डर से डिंपल ने बॉयफ्रेंड सनी देओल को कॉल कर पूरी बात बताई और कुछ ही देर में सनी सेट पर पहुंच गए। उन्होंने उस दिन पहली बार सौतेली मां हेमा मालिनी से बात की, वजह थीं डिंपल और उनका डर। सनी से बात करने के बाद हेमा ने उन्हें तसल्ली दी कि वो डिंपल से हेलिकॉप्टर का सीन शूट नहीं करवाएंगी। किस्सा-9-सनी देओल की गर्लफ्रेंड थीं, फिल्म में न चाहते हुए भी करना पड़ा धर्मेंद्र को किस- 1992 की फिल्म दुश्मन देवता में डिंपल कपाड़िया को सनी देओल के पिता धर्मेंद्र के साथ कास्ट किया गया था। दोनों का फिल्म में किसिंग सीन भी था, जबकि डिंपल धर्मेंद्र से 21 साल छोटी थीं। इस सीन के चर्चा में रहने का कारण ये भी था कि उसी समय डिंपल कपाड़िया सनी देओल को डेट कर रही थीं, हालांकि धर्मेंद्र इस बात से अनजान थे।कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक जब डिंपल को ये स्क्रिप्ट दी गई थी, तो उसमें किसिंग सीन नहीं था। जब बाद में इसे जोड़ा गया तो डिंपल काफी नाराज हुईं। उन्होंने डायरेक्टर के दबाव में सीन शूट तो किया, लेकिन बाद में इसकी डबिंग करने से इनकार कर दिया। हालांकि, बाद में उन्हें मानना पड़ा। पत्नी के विरोध के चलते सनी देओल ने डिंपल से दूरियां बना लीं। हालांकि सालों बाद 2017 में उन्हें लंदन में साथ हाथ थामे हुए स्पॉट किया गया था। किस्सा- 10- अक्षय कुमार को समझती थीं गे, बेटी की शादी से पहले टेस्ट करवाया-अक्षय कुमार ने साल 2000 में डिंपल कपाड़िया की बेटी ट्विंकल से शादी की थी। जिस समय अक्षय, ट्विंकल को डेट कर रहे थे, तब डिंपल की एक दोस्त ने उन्हें कहा कि अक्षय कुमार गे हैं। समय के साथ डिंपल, बेटी के लिए चिंतित रहने लगीं और पड़ताल शुरू कर दी। एक दिन उन्होंने अक्षय के सामने शर्त रखी कि अगर उन्हें ट्विंकल से शादी करनी है, तो पहले उन्हें जेनेटिक टेस्ट करवाना होगा। उनके कहने पर अक्षय ने टेस्ट भी करवाया था। ये किस्सा खुद अक्षय और ट्विंकल ने चैट शो कॉफी विद करण में शेयर किया था। किस्सा- 11-डिंपल पर भड़के राजेश खन्ना, कहा- तुम मुझे सिखाओगी राजेश खन्ना का घर छोड़ने के बाद भी डिंपल ने बेटियों के लिए उनसे रिश्ता रखा। दोनों कई पब्लिक इवेंट में साथ नजर आते थे। 1990 में राजेश खन्ना की फिल्म जय शिव शंकर रिलीज हुई थी। इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया, राजेश खन्ना के साथ नजर आईं। शूटिंग के समय एक बार राजेश की तबीयत बिगड़ गई, लेकिन उनके होटल के बाहर चाहने वाले उनकी एक नजर पाने के लिए भीड़ लगाए बैठे थे। डिंपल ने रेडिफ डॉट कॉम से बातचीत में ये किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि जब राजेश ने सबके सामने जाने का फैसला किया तो डिंपल ने उन्हें सनग्लासेस और शॉल दी। डिंपल ने उनसे कहा- 'काकाजी, जब आप लोगों को देखो तो सामने मत देखना, आपकी साइड प्रोफाइल अच्छी लगती है।' राजेश खन्ना ने गुस्से में डिंपल को देखा और जवाब दिया- 'अब तुम मुझे सिखाओगी?' राजेश का ये जवाब सुनकर वो डर गईं और सबके सामने हाथ जोड़कर माफी मांगने लगीं।साल 2012 में जब राजेश बीमार हुए तो डिंपल ने उनकी खूब सेवा की। जब राजेश का निधन हुआ तो डिंपल पूरे समय मौजूद रहीं।

वैवाहिक जिंदगी पर बोले आर माधवन,मैं डरपोक मद्रासी मिडिल क्लास आदमी हूं, इसलिए पत्नी के प्रति हमेशा वफादार रहा

मुंबई। अभिनेता आर माधवन और उनकी पत्नी सरिता ने हाल ही में अपनी शादी की 27वीं

सालगिरह मनाई है। इस मौके पर माधवन का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में है, जिसमें उन्होंने अपनी सफल शादीशुदा जिंदगी और वफादारी पर कई खुलासे किए हैं। इ-टाइम्स को दिए इंटरव्यू में माधवन ने बताया कि फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अभिनेत्रियों के साथ काम करने के बाद भी वे हमेशा अपनी पत्नी के प्रति वफादार रहे। उन्होंने खुद को एक 'डरपोक मद्रासी मिडिल क्लास' आदमी बताया जो दिनभर काम करने के बाद घर लौटकर पत्नी के साथ समय बिताने को प्राथमिकता देता है। पत्नी सरिता को बताया जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा आर माधवन ने इंटरव्यू में बताया कि वे दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार अपनी पत्नी सरिता से करते हैं। सरिता उन्हें पूरी तरह से समझती हैं और हमेशा जमीन से जुड़े रहने में मदद करती हैं। माधवन के मुताबिक, सरिता उनके माता-पिता, बेटे वेदांत और उनके पैसों (फाइनेंस) का पूरा ध्यान रखती हैं। वे माधवन को एक बेहतर एक्टर बनने के लिए पूरी आजादी देती हैं। माधवन ने कहा कि वे बहुत किस्मत वाले हैं कि सरिता उनकी जिंदगी में हैं क्योंकि वे बिना कोई क्रेडिट चाहे परिवार के लिए बहुत मेहनत करती हैं। वफादार रहना पारिवारिक संस्कार का हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स पर बात करते हुए माधवन ने कहा कि वफादार रहना उनके लिए बहुत आसान और स्वाभाविक रहा है। उन्होंने इसे अपने पारिवारिक संस्कारों से जोड़ा। माधवन ने अपने परिवार से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि उनका पूरा परिवार आखिरी समय तक जमशेदजी टाटा के प्रति इतना वफादार था कि घर में भगवान की मूर्तियों के साथ टाटा की फोटो पर भी माला चढ़ाई जाती थी।

जेनिफर विंगेट जल्द कर सकती हैं दूसरी शादी,सिंगापुर के बिजनेसमैन विलियम को कर रही हैं डेट

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट जल्द ही दूसरी शादी कर

सकती हैं। वे सिंगापुर के बिजनेसमैन विलियम इशमाइल के साथ रिलेशनशिप में हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक विलियम ने एक हॉलिडे के दौरान जेनिफर को प्रपोज किया था, जिसके लिए उन्होंने अपनी सहमति दे दी है। हालांकि, जेनिफर या विलियम की तरफ से अभी इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इंस्टाग्राम एक्टिविटी से शुरू हुई चर्चा जेनिफर की शादी की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी कुछ एक्टिविटी नोटिस की। जेनिफर ने सोशल मीडिया पर शादी के एक डांस रील वीडियो पर रिएक्ट किया था। इसके बाद फैंस ने देखा कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर शादी से जुड़े कई पेजों को फॉलो करना शुरू कर दिया है। इस एक्टिविटी के बाद से ही सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर कयास लगाए जाने लगे। क्रिश्चियन रीति-रिवाज से हो सकती है शादी जेनिफर और विलियम एक साथ बहुत खुश हैं। विलियम के प्रपोजल के बाद जेनिफर ने शादी की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। वे वेडिंग वेंडर्स को शॉर्टलिस्ट कर रही हैं और उन्होंने एक मूड बोर्ड भी तैयार किया है। दोनों क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी करने की प्लानिंग कर रहे हैं। शादी के लिए इस साल सितंबर-अक्टूबर या फिर दिसंबर-जनवरी का समय तय किया जा सकता है। करीबी दोस्तों को है शादी की जानकारी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेनिफर और विलियम अभी शादी के लिए वेन्यू (जगह) की तलाश कर रहे हैं। जेनिफर के करीबी दोस्तों को इस बात की पूरी जानकारी है। उनके टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के दोस्त जैसे हरलीन सेठी और जेनेलिया देशमुख भी इस प्लानिंग के बारे में जानते हैं। हाल ही में जेनिफर का नाम उनके को-स्टार करण वाही के साथ भी जोड़ा गया था, लेकिन करण ने इन खबरों को पूरी तरह गलत और फेक बताया था। करण सिंह ग्रोवर से हुई थी पहली शादी जेनिफर विंगेट की पहली शादी एक्टर करण सिंह ग्रोवर से हुई थी। दोनों की मुलाकात टीवी सीरियल 'दिल मिल गए' के सेट पर हुई थी। इसके बाद अप्रैल 2012 में दोनों ने शादी कर ली, लेकिन यह रिश्ता लंबा नहीं चला और साल 2014 में उनका तलाक हो गया। इसके बाद करण सिंह ग्रोवर ने साल 2016 में फिल्म 'अलोन' में साथ काम करने के बाद एक्ट्रेस बिपाशा बसु से शादी कर ली थी।

एनएसडी निदेशक बोले- हर स्कूल में थिएटर विषय होना चाहिए,समाज में रंगमंच के प्रति नजरिए को 'चिंटू-पिंटू' की काल्पनिक थ्योरी से बताया

जयपुर। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के निदेशक चितरंजन त्रिपाठी ने राजस्थान में एनएसडी का क्षेत्रीय केंद्र (रीजनल सेंटर) स्थापित किए जाने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा- एक रंगकर्मी होने के नाते वह चाहते हैं कि देश के हर राज्य में एनएसडी का एक केंद्र हो। जयपुर में आयोजित थिएटर वर्कशॉप कोलाज ऑफ किलकारी के समापन पर त्रिपाठी ने कहा कि हर स्कूल में थिएटर विषय होना चाहिए। उन्होंने शिक्षा, समाज में कला, संगीत और रंगमंच के प्रति बने नजरिए को 'चिंटू और पिंटू' की काल्पनिक थ्योरी से समझाया। उन्होंने कहा-'हर स्कूल में दो तरह के छात्र होते हैं। एक पिंटू, जो गणित में 98 प्रतिशत अंक लाता है और दूसरा चिंटू 85 प्रतिशत अंक लाता है। चिंटू बेहतरीन गायक, तबला वादक या कलाकार भी है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में आमतौर पर पिंटू को ज्यादा महत्व मिलता है।' शिक्षक उसे अपना ब्लू-आइड बॉय मानते हैं, क्योंकि समाज यह मान बैठा है कि अच्छे अंक लाने वाला ही आगे चलकर बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा। वहीं चिंटू की कला और प्रतिभा को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। त्रिपाठी ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि जैसे ही किसी स्कूल में कोई मंत्री, सांसद, कलेक्टर या अन्य गणमान्य व्यक्ति आने वाले होते हैं, अचानक स्कूल प्रशासन को चिंटू की याद आ जाती है। क्योंकि स्वागत समारोह में गीत भी चाहिए, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी चाहिए और मंच पर प्रस्तुति भी चाहिए। तब वही छात्र, जिसे पूरे साल सामान्य नजर से देखा जाता है, अचानक महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि चिंटू और उसके जैसे अन्य कलाकार बच्चों को बुलाया जाता है, उन्हें देशभक्ति गीत सिखाए जाते हैं, मंच पर प्रस्तुतियों की तैयारी करवाई जाती है और कुछ समय के लिए उन्हें विशेष महत्व दिया जाता है। उस समय चिंटू को लगता है कि उसकी कला की कद्र हो रही है। त्रिपाठी ने कहा कि दुखद स्थिति यह है कि जैसे ही कार्यक्रम समाप्त होता है, वही सम्मान खत्म हो जाता है। मंच पर तालियां बजती हैं, अतिथि बच्चों की तारीफ करते हैं, लेकिन अगले ही दिन चिंटू फिर उसी स्थिति में पहुंच जाता है, जहां उसे केवल एक्स्ट्रा एक्टिविटी करने वाला छात्र माना जाता है। त्रिपाठी के अनुसार समाज और शिक्षा व्यवस्था की यही सबसे बड़ी विडंबना है कि कला, संगीत और रंगमंच का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उन्हें शिक्षा और व्यक्तित्व विकास के मुख्य हिस्से के रूप में स्वीकार नहीं किया जाता। चितरंजन त्रिपाठी ने कहा कि एक थिएटर कलाकार होने के नाते उनकी पहली इच्छा यही है कि राजस्थान सहित देश के हर राज्य में एनएसडी का एक क्षेत्रीय केंद्र स्थापित हो। इससे स्थानीय कलाकारों को दिल्ली आने की आवश्यकता कम होगी और उन्हें अपने प्रदेश में ही उच्चस्तरीय रंगमंच प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा। हालांकि इसके लिए केवल इच्छा पर्याप्त नहीं है, बल्कि संसाधन, आधारभूत ढांचा और सरकारों के बीच समन्वय भी जरूरी है। त्रिपाठी ने कहा कि जब राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना हुई थी, तब इसकी मूल अवधारणा में यह भावना शामिल थी कि देश के विभिन्न राज्यों तक रंगमंच की शिक्षा और प्रशिक्षण पहुंचे। लेकिन किसी भी नए केंद्र की स्थापना के लिए भवन, भूमि, वित्तीय संसाधन, तकनीकी सुविधाएं और प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसी कई बुनियादी आवश्यकताएं होती हैं। सरकारों के स्तर पर सहमति बनना जरूरी-त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि एनएसडी का निदेशक होने के नाते वह कोई ऐसा वादा नहीं करना चाहते जो व्यावहारिक रूप से उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी नए केंद्र की स्थापना केंद्र और राज्य सरकार के बीच आपसी सहमति और सहयोग से ही संभव हो सकती है। उन्होंने कहा कि अगर मैं मंच पर बैठकर यह कह दूं कि कल से राजस्थान में एनएसडी का सेंटर शुरू हो जाएगा, तो वह सही बात नहीं होगी। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें सरकारों के स्तर पर चर्चा, संसाधनों की व्यवस्था और ठोस योजना की जरूरत होती है। त्रिपाठी ने कहा कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, लोकनाट्य परंपराएं और रंगकर्म की सक्रियता इसे ऐसे केंद्र के लिए उपयुक्त बनाती हैं। राज्य में बड़ी संख्या में युवा रंगमंच, लोककला और अभिनय से जुड़ना चाहते हैं। यदि यहां एनएसडी का क्षेत्रीय केंद्र स्थापित होता है तो इससे प्रदेश के कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण और अवसर मिल सकते हैं। थिएटर तनाव दूर करता है, जीवन को गहराई देता है-चितरंजन त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय रंगमंच की परंपरा हजारों साल पुरानी है। भरतमुनि के नाट्यशास्त्र में भी यह स्पष्ट लिखा गया है कि नाटक दुख, अवसाद और तनाव को दूर करता है। उन्होंने कहा कि रंगमंच व्यक्ति को विभिन्न किरदारों के माध्यम से अलग-अलग दृष्टिकोण समझने का अवसर देता है। जब कोई बच्चा मंच पर पुलिस अधिकारी, किसान, राजा या किसी सामान्य व्यक्ति की भूमिका निभाता है तो वह दुनिया को नए नजरिए से देखना सीखता है। यही प्रक्रिया उसे अधिक संवेदनशील और समझदार बनाती है।' हर स्कूल में थिएटर विषय होना चाहिए-त्रिपाठी ने कहा कि आज के दौर में स्कूलों में थिएटर को अतिरिक्त गतिविधि (एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी) के रूप में देखा जाता है, जबकि यह शिक्षा का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं जहां भी जाता हूं, स्कूलों से यही कहता हूं कि थिएटर को एक विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। रंगमंच बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करता है। यह केवल अभिनय नहीं सिखाता, बल्कि जीवन जीने का सलीका सिखाता है। चाहे बच्चा आगे चलकर डॉक्टर बने, इंजीनियर बने या किसी भी क्षेत्र में जाए, थिएटर से जुड़ाव उसे बेहतर इंसान बनाता है। 92 शहरों में चल रही हैं थिएटर वर्कशॉप्स-एनएसडी के कार्यों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने कहा कि पहले गर्मी की छुट्टियों में 10-15 कार्यशालाएं आयोजित होती थीं, लेकिन इस वर्ष देशभर में एक महीने के भीतर 92 थिएटर वर्कशॉप्स आयोजित की जा रही हैं। हम चाहते हैं कि थिएटर गांवों, कस्बों और उन बच्चों तक पहुंचे जो कभी राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में पढ़ने का अवसर नहीं पा सकते। आज एनएसडी केवल कलाकारों के साथ नहीं, बल्कि ट्रांसजेंडर समुदाय, वरिष्ठ नागरिकों, जेल बंदियों, झुग्गी-बस्ती के बच्चों, रिमांड होम के बच्चों और समाज के वंचित वर्गों के साथ भी रंगमंच की कार्यशालाएं आयोजित कर रहा है। अंग्रेजों ने थिएटर को 'एक्स्ट्रा करिकुलर' बना दिया-त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय परंपरा में कला और नाट्यशास्त्र को पंचम वेद का दर्जा दिया गया था। मंदिरों में नाट्य मंडप बनाए जाते थे ताकि लोग दिनभर की थकान के बाद नाटक देखकर मानसिक ऊर्जा प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि थिएटर कभी मुख्यधारा में था। अंग्रेजों के आने के बाद इसे धीरे-धीरे 'एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी' बना दिया गया। अब समय आ गया है कि इसे फिर से मुख्यधारा में लाया जाए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।